epaper.dehatsandesh.com

3 वार्षिक धार्मिक यात्राओं की तैयारियों की समीक्षा

5 मुंबईमें साइक्लिंग बाय द सी के साथ हुआ फिट इंडिया साइक्लोथान, खेलमंत्री ने किया नेतृत्व

8 सीएसआईआर-आईआईआईएम में युवा कौशल कार्यशाला 5.0 का शुभारंभ

मौसम जम्मू
न्यूनतम 28
अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-150 | जम्मू तवी, शुक्रवार 19 जून, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत विश्व में विश्वसनीय सहयोगी के तौर पर उभर रहा : मोदी

पिछले 12 वर्षों में देश के 25 करोड लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान कालखंड भारत की आकांक्षाओं को नई बुलंदियों पर ले जाने का है।

नई दिल्ली, 18 जून । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि दुनिया में अब भागीदारी व्यापार पर नहीं बल्कि विश्वास पर निर्भर करने लगी है। विश्वसनीय सप्लाई चैन इसमें बड़ा रोल निभा रही है। ऐसे में भारत अब विश्व में विश्वसनीय सहयोगी के तौर पर उभर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज पेरिस में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। सामुदायिक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जी7 शिखर सम्मेलन में उन्होंने विश्वास पर आधारित साझेदारी पर जोर दिया है। साथ ही विकासशील देशों, वैश्विक दक्षिण की वकालत करते हुए उसे समान भागीदारी दिए जाने की बात कही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जी7 शिखर सम्मेलन में भारत का संदेश साफ था कि ग्लोबल गवर्नेंस तभी असरदार होगी जब वह सबको साथ लेकर चलने वाली हो। वैश्विक विकास तभी टिकाऊ होगा जब उसका फायदा सबको मिले। और टेक्नोलॉजी से इंसानियत को तभी सही मायने में लाभ होगा जब उस पर भरोसा किया जाए। भारत में बदल रहे परिवेश को भारतीय समुदाय के समक्ष रखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में एक पूरा इकोसिस्टम बन रहा है। भारत एक साथ हर उसे क्षेत्र में निवेश कर रहा है, जो आने वाले दशकों की दिशा तय करेगा। भारत की कहानी केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है बल्कि एक सामाजिक बदलाव को भी दर्शा रही है। पिछले 12 वर्षों में देश के 25 करोड लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान कालखंड भारत की आकांक्षाओं को नई बुलंदियों पर ले जाने का है। पिछले 12 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पादन दोगुना, एयरपोर्ट की संख्या दोगुना, विश्वविद्यालय की संख्या दोगुना, हाईवे निर्माण की गति तीन गुना और मेट्रो नेटवर्क चार गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा, आज भारत न सिर्फ लोगों की पहचान को डिजिटल बना रहा है, बल्कि उसने लगभग 90 करोड़ नागरिकों के लिए यूनिक डिजिटल हेल्थ आईडी भी बनाई हैं। इसके नतीजे में, मेडिकल रिकॉर्ड अब सुरक्षित और आसानी से उपलब्ध हैं, जिससे हेल्थकेयर सर्विस देना ज़्यादा कुशल और सुविधाजनक हो गया है। हैरानी की बात यह है कि इनमें से ज़्यादातर उपलब्धियाँ कुछ साल पहले तक अकल्पनीय लगती थीं। कौन सोच सकता था कि हाई-स्पीड इंटरनेट सबसे दूर-दराज के गाँवों तक भी पहुंच जाएगा? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में भारत और फ्रांस की मैत्री का जिक्र करते हुए कहा कि फुटबॉल दोनों देशों को जोड़ने वाला एक बंधन है। विश्व कप में फ्रांस की टीम के भारत में बहुत अधिक प्रशंसक हैं और वह फ्रांस की टीम को शुभकामनाएं देते हैं।

सीएम उमर ने गांदरबल में खीर भवानी मेले की तैयारियों का लिया जायज़ा

गांदरबल, 18 जून (। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को मध्य कश्मीर के गांदरबल ज़िले के तुलमुल्ला में सालाना खीर भवानी मेले की तैयारियों का जायज़ा लिया। उन्होंने कहा कि 22 जून को होने वाले इस मेले से पहले सभी अधूरे काम पूरे कर लिए जाएंगे।

मंदिर के दौरे के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उमर ने कहा कि देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु माता खीर भवानी का आशीर्वाद लेने के लिए मेले में शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि उन्होंने मंदिर का दौरा न केवल मुख्यमंत्री के तौर पर बल्कि स्थानीय विधायक के तौर पर भी किया, ताकि जमीनी स्तर पर तैयारियों का जायज़ा ले सके। उन्होंने कहा कि पुजारियों और अन्य संबंधित लोगों ने कुछ मुद्दे उठाए हैं और मेला शुरू होने से पहले उन्हें हल करने की कोशिश की जाएगी।

आने वाली अमरनाथ यात्रा के बारे में उमर ने कहा कि यात्रा के प्रबंधन की मुख्य ज़िम्मेदारी अमरनाथ श्राइन बोर्ड की है, जबकि सरकार इसे सुचारू रूप से चलाने के लिए हर ज़रूरी मदद दे रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि खीर भवानी और अमरनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालु आसानी से अपने धार्मिक कर्तव्य निभा सकेंगे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए प्रार्थना की।

गांदरबल के कुछ हिस्सों में सिंचाई से जुड़ी चिंताओं पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ इलाकों से पानी की कमी की खबरें मिली हैं और नहरों व सिंचाई चैनलों के ज़रिए पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल की बारिश से स्थिति में सुधार हुआ है और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री जावेद राणा अधिकारियों के साथ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे, ताकि जरूरी कदम उठाए जा सकें।

खबर संक्षेप

जम्मू-कश्मीर में 22 जून तक कई जगहों पर बारिश, आंधी और ओले गिरने की संभावना

श्रीनगर, 18 जून। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने अगले कुछ दिनों तक पूरे जम्मू-कश्मीर में मौसम के आमतौर पर अस्थिर रहने का अनुमान लगाया है। अलग-अलग इलाकों में रुक-रुक कर बारिश, आंधी और तेज़ हवाएं चलने की उम्मीद है।

अनुमान के मुताबिक 18 जून से 22 जून तक मौसम आमतौर पर बादल वाला रहेगा। कई जगहों पर हल्की बारिश के साथ-साथ कुछ समय के लिए तेज़ बारिश, आंधी, ओलावृष्टि, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। 23 जून से 25 जून तक मौसम आंशिक रूप से या आमतौर पर बादल वाला रहने की संभावना है। कुछ जगहों पर हल्की बारिश, कुछ समय के लिए तेज़ बारिश, आंधी, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं चलने की उम्मीद है।

सलाह जारी करते हुए मौसम विज्ञान केंद्र ने सुझाव दिया है कि बागों में स्प्रे का काम सुबह-सुबह किया जाना चाहिए। लोगों को यह भी सलाह दी गई है कि खराब मौसम के दौरान कमज़ोर ढांचों, बिजली के खंभों, लटकते तारों और पुराने पेड़ों से दूर रहें। विभाग ने आंधी, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के दौरान बोटिंग और शिकारा की सवारी रोकने की भी सलाह दी है। मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी दी है कि अगले पांच दिनों के दौरान कुछ अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि हो सकती है जबकि कुछ समय के लिए होने वाली तेज़ बारिश से संवेदनशील इलाकों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति बन सकती है।

श्रीअमरनाथ यात्रा के मध्यनजर नगरोटा में चलाया गया घेराबंदी और तलाशी अभियान

जम्मू, 18 जून । श्री अमरनाथ यात्रा-2026 के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजामों के तहत जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने नगरोटा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में घेराबंदी, तलाशी अभियान और एरिया डोमिनेशन पेट्रोलिंग की। यह ऑपरेशन सुबह 11:00 बजे से जगती से टीसीपी बाईपास नगरोटा तक के इलाके में चलाया गया। यह अभियान नगरोटा पुलिस स्टेशन के जवानों और सीआईसीएफ कि 628वीं कंपनी के 40 जवानों ने मिलकर चलाया। इस ऑपरेशन का मकसद सुरक्षा तैयारियों को बेहतर बनाना, संवेदनशील इलाकों पर कड़ी नजर रखना, जनता में सुरक्षा की भावना पैदा करना और सालाना यात्रा से पहले शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना था। ऑपरेशन के दौरान संदिग्ध जगहों और सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील इलाकों की अच्छी तरह से जांच और पेट्रोलिंग की गई। इसे लेकर जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया कि जम्मू पुलिस अमरनाथ यात्रा-2026 के लिए पुख्ता सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे सक्रिय कदम उठाती रहेगी।

प्रधानमंत्री 20 जून को पश्चिम बंगाल से जारी करेंगे पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त : शिवराज चौहान

किसान उत्सव दिवस के अवसर पर 9.5 करोड़ किसानों को 18,800 करोड़ रुपये की राशि होगी खातों में ट्रांसफर

दलहन उत्पादक किसानों को राहत

भोपाल, 18 जून । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त 20 जून को जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से आयोजित कार्यक्रम में देशभर के लगभग 9.5 करोड़ किसानों के खातों में 18,800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से भेजेंगे। यह जानकारी केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को भोपाल में अपने निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम के साथ पूरे देश में 'पीएम किसान उत्सव दिवस' भी मनाया जाएगा। अब तक योजना की 22 किस्तों के जरिए किसानों के खातों में करीब 4.28 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हर चार महीने में मिलने वाली यह सहायता राशि छोटे और सीमांत किसानों के लिए बड़ा आर्थिक सहारा बन चुकी है। खरीफ सीजन की बुआई से पहले मिलने वाली यह राशि किसानों को कृषि कार्यों में मदद करेगी।

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने बताया कि इस बार पश्चिम बंगाल के 44.42 लाख पात्र किसानों को लगभग 885 करोड़ रुपये की राशि सीधे उनके खातों में भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले राज्य सरकार की ओर से पात्र किसानों की सूची समय पर उपलब्ध नहीं होने के कारण कई किसान योजना के लाभ से वंचित रह गए थे, लेकिन अब आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें भी योजना का लाभ मिल सकेगा।

मध्य प्रदेश के किसानों को मिलेंगे 1,634 करोड़ रुपये मध्यप्रदेश में योजना की 23वीं किस्त के तहत 81 लाख 67 हजार 213 किसानों के खातों में 1,634.88 करोड़ रुपये अंतरित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राज्य के किसानों को अब तक 22 किस्तों में 33,721 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है। किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी होने के अवसर पर देशभर में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी 731 कृषि विज्ञान केंद्रों, 113 आईसीएआर संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य, जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर तक कार्यक्रम होंगे। मंडियों, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को भी इससे जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि करीब 46 लाख किसान विभिन्न स्थानों से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम और संबोधन से जुड़ेंगे। केंद्रीय मंत्रियों, राज्यों के कृषि मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों की भी इन आयोजनों में सहभागिता रहेगी। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने किसानों से अपील की कि, वे अपने निकट आयोजित कार्यक्रमों में अवश्य भाग लें। केंद्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए केंद्र सरकार ने पीएम-आशा योजना के तहत उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु और गुजरात में मूंग, मसूर और उड़द की एमएसपी पर खरीदी की अनुमति दे दी है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नुनर में लैवेंडर महोत्सव का उद्घाटन किया लैवेंडर की खेती को जम्मू-कश्मीर के विकास और समृद्धि की यात्रा में नया अध्याय बताया

कृषि अवसंरचना परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया

गांदरबल, 18 जून। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज कृषि विभाग कश्मीर द्वारा गांदरबल के मॉडल फ्लोरीकल्चर सेंटर एमएफसी नुनर में आयोजित लैवेंडर महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने औषधीय एवं सुगंधित पौधों के क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने तथा किसानों की आजीविका में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कृषि अवसंरचना परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। महोत्सव में कृषि उत्पादन एवं ग्रामीण विकास मंत्री जावेद अहमद डार, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, उपायुक्त गांदरबल जतिन किशोर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गांदरबल सुधांशु धामा कृषि उत्पादन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्कूास्ट-कश्मीर के वैज्ञानिक तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर किसानों, उत्पादकों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में लैवेंडर की खेती ने जम्मू-कश्मीर के कृषि परिदृश्य को नई दिशा दी है। उन्होंने लैवेंडर फसल की आर्थिक उपयोगिता और स्थिरता पर प्रकाश डालते हुए किसानों से इसे व्यावसायिक स्तर पर अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह जलवायु-अनुकूल और उच्च मूल्य वाली फसल बदलते मौसम के प्रभावों के बीच किसानों की आय को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लैवेंडर की खेती से आवश्यक तेलों के निष्कर्षण के माध्यम से मूल्य संवर्धन, पर्यटन को बढ़ावा तथा रोजगार सृजन जैसे अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में जम्मू-कश्मीर के और अधिक क्षेत्रों में लैवेंडर की खेती का विस्तार किया जाएगा तथा लैवेंडर महोत्सव को नियमित वार्षिक आयोजन बनाया जाएगा।

जन सहभागिता प्रभावी शासन का महत्वपूर्ण स्तंभ : सकीना इटू

जम्मू, 18 जून। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण तथा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने आज नागरिक सचिवालय, जम्मू में विभिन्न जनप्रतिनिधिमंडलों और आम नागरिकों के साथ कई दौर की बैठकें कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उनके शीघ्र और प्रभावी समाधान का आश्वासन दिया। जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों और वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधिमंडलों ने मंत्री को स्वास्थ्य अवसंरचना, शैक्षणिक सुविधाओं, समाज कल्याण योजनाओं, सार्वजनिक सुविधाओं तथा अन्य विकासात्मक आवश्यकताओं से जुड़े मुद्दों से अवगत कराया। कई व्यक्तियों ने भी अपनी स्थानीय समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए मंत्री से मुलाकात की। सभी पक्षों की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए मंत्री ने दोहराया कि सरकार उत्तरदायी, पारदर्शी और जन-केंद्रित शासन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जन सहभागिता प्रभावी प्रशासन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि विकास संबंधी नीतियां लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं के अनुरूप हों। जमीनी स्तर पर शासन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए सकीना इटू ने कहा कि नागरिकों के साथ नियमित संवाद स्थानीय चुनौतियों को समझने का अवसर प्रदान करता है तथा प्रशासन को व्यावहारिक और समावेशी समाधान तैयार करने में मदद करता है।

अमरनाथ यात्रा मार्गों पर तैनाती के लिए 45 पर्वतीय बचाव दल रवाना

श्रीनगर, 18 जून। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक **नलिन प्रभात** ने गुरुवार को अमरनाथ यात्रा के दोनों मार्गों पर तैनाती के लिए 45 पर्वतीय बचाव दलों को रवाना किया।

ये 45 बचाव दल जम्मू-कश्मीर पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से मिलकर बनाए गए हैं। इन टीमों को दक्षिण कश्मीर हिमालय स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के दोनों यात्रा मार्गों पर 21 विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जाएगा।

इस अवसर पर एसडीआरएफ निदेशक इम्तियाज हुसैन मीर** ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी ये टीमें यात्रियों की सहायता के लिए पूरी तरह तैयार रहेंगी। उन्होंने कहा, हमारी टीमें यात्रा मार्गों पर तैनात रहेंगी और श्रद्धालुओं को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराएंगी। यदि किसी प्रकार की प्राकृतिक आपदा या आपात स्थिति उत्पन्न होती है, तो ये टीमें तुरंत कार्रवाई करते हुए उसका सामना करेंगी और राहत कार्य संचालित करेंगी।

मीर ने कहा कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा देश की सबसे पवित्र तीर्थ यात्राओं में से एक है। उन्होंने बताया कि इन पर्वतीय बचाव दलों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है और इनमें से अधिकांश कर्मियों को पहले भी यात्रा ड्यूटी पर तैनात किया जा चुका है। उन्होंने कहा, ये टीमें देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं को हर प्रकार की सहायता प्रदान करती हैं, विशेषकर आपातकालीन परिस्थितियों में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एसडीआरएफ निदेशक ने बताया कि इस वर्ष तैनाती के लिए अतिरिक्त प्रयास किए गए हैं तथा बचाव उपकरणों और संसाधनों को और मजबूत बनाया गया है। उन्होंने कहा, ऊहम पर्वतीय बचाव दलों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहे हैं ताकि वे श्रद्धालुओं को और बेहतर सेवाएं दे सकें। हमें उम्मीद है कि इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न होगी और हम अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि यात्रा को सुरक्षित और सुचारु बनाने के लिए घाटी के विभिन्न जिलों में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मॉक ड्रिल भी आयोजित की गई।

यात्रियों की सुविधा के लिए जम्मू मंडल की बड़ी पहल- 3 ट्रेनों में अस्थायी रूप से 3AC कोच की अतिरिक्त व्यवस्था

गर्मियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए 04082, 12426 व 22402 में 3AC कोच बढ़ाए गए, प्रतीक्षा सूची में राहत मिलेगी

जम्मू, 18 जून। गर्मियों की छुट्टियों और तीर्थयात्रा सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल ने यात्री सुविधा को प्राथमिकता देते हुए 3 प्रमुख ट्रेनों में अस्थायी रूप से एक अतिरिक्त 3AC कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। इससे प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को कन्फर्म बर्थ मिलने में बड़ी राहत मिलेगी।

अतिरिक्त 3AC कोच की तिथियां एवं ट्रेन की स्थिति इस प्रकार हैं।

ट्रेन संख्या 04082- 30 जून 2026 से 4 अगस्त 2026 तक एक अतिरिक्त थर्ड एसी का कोच जोड़ा जाएगा।

*ट्रेन संख्या 12426- 27 जून 2026 से 3 अगस्त 2026 तक एक अतिरिक्त थर्ड एसी का कोई जोड़ा जाएगा।

*ट्रेन संख्या 22402- 21 जून 2026 से 23 जून 2026 तक एक अतिरिक्त थर्ड एसी का कोच जोड़ा जाएगा।

*यात्रियों को होने वाले लाभ पर प्रकाश डाले,

प्रत्येक 3C कोच में लगभग 72 अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगी। जिससे यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिल सकेगा। जिससे लंबी दूरी की यात्रा आरामदायक होगी। समूह/परिवार में यात्रा करने वाले यात्रियों को एक साथ बर्थ मिलने में सुविधा होगी।

इस निर्णय पर *वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल* ने कहा, द्वऊजम्मू मंडल यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। गर्मियों में जम्मू-श्रीनगर व मैदानी क्षेत्रों की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है। इसी मांग को देखते हुए हमने 04082, 12426 और 22402 ट्रेनों में अस्थायी रूप से 3C कोच जोड़े हैं। यह कदम न सिर्फ यात्रियों को आरामदायक सफर देगा, बल्कि प्रतीक्षा सूची के बोझ को भी कम करेगा। हमारा प्रयास है कि हर यात्री को समय पर, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिले। यात्रियों से अनुरोध है कि वे आरक्षण कराते समय कोच संख्या व तिथियों की पुष्टि अवश्य कर लें।

जम्मू मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे रेलवे द्वारा दी जा रही अतिरिक्त सुविधा का लाभ उठाएं और अनधिकृत यात्रा से बचें। ट्रेनों की लेटेस्ट स्थिति के लिए यात्री 139 हेल्पलाइन या IRCTC वेबसाइट/ऐप पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

टैकिकार्डिया को न करें नजरअंदाज

हृदयगति के प्रति मिनट 100 से अधिक होने की स्थिति टैकिकार्डिया कहलाती है। हृदय सामान्यतः प्रति मिनट 60 से 100 बार धड़कता है और कलाई, गला या अन्यत्र महसूस होने वाली नाड़ी की दर निलय (हृदय के दोनों निचले प्रकोष्ठ) के संकुचन के दर के समान होती है।

टैकिकार्डिया उत्तेजना, बुखार, तीव्र गति से खून बह जाने या कठिन व्यायामों के कारण शरीर के द्वारा होनेवाली सामान्य प्रतिक्रिया हो सकती है। यह कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी हो सकती है, जैसे-थायरॉयड हार्मोन का असामान्य रूप से उच्च स्तर, जिसे हायपर थायरॉयडिज्म कहते हैं। कुछ लोगों में, टैकिकार्डिया कार्डियक एरिथ्मिया (हृदय की विकृति के कारण हृदयगति के लय या रिदम में असामान्यता), कोरोनरी आर्टरी रोग या हृदय के वॉल्व में असामान्यता के कारण हो सकता है। यह फेफड़े की समस्याओं, जैसे-न्यूमोनिया या फेफड़े की किसी धमनी में खून के थक्के के कारण भी हो सकता है। दूसरे मामलों में, टैकिकार्डिया कुछ खाद्य और पेय पदार्थों का साइड इफैक्ट भी हो सकता है, जैसे-कॉफी, चाय, शराब या चॉकलेट, तंबाकू या कुछ दवाएं।

टैकिकार्डिया का पूर्वानुमान

अगर टैकिकार्डिया बुखार, खून अधिक बह जाने, हायपरथायरॉयडिज्म, किसी दवा या आहार के कारण हो तो इसका कोई दीर्घकालीन बुरा प्रभाव नहीं होता। हृदय या फेफडों की समस्या से जुड़े कई प्रकार के टैकिकार्डिया दवाओं, शल्यक्रिया या इलाज के दूसरे तकनीकों से ठीक हो जाते हैं।

टैकिकार्डिया के लक्षण

- चक्कर आना, सोचने-समझने में परेशानी और अचेत पड़ना
- थकान(असामान्य रूप से थकावट महसूस होना)
- धड़कन महसूस होना या पालपिटेशन
- सांस लेने में कठिनाई

अगर टैकिकार्डिया स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हो तो कुछ अन्य लक्षण भी दृष्टिगत होते हैं, जो उस बीमारी से संबंधित होते हैं। उदाहरण के लिए हायपरथायरॉयडिज्म में नर्वसनेस, अनिद्रा, पसीना आना, हल्का कंपन और थायरॉयड के उच्च स्तर से जुड़े अन्य लक्षण भी प्रकट होते हैं। हृदय या फेफड़े की किसी बीमारी के कारण टैकिकार्डिया होने पर इसके साथ छाती में दर्द या सांस लेने में परेशानी और लाइटहेडनेस की समस्या हो सकती है।

कार्डियक एरिथ्मिया

इसका उपचार एरिथ्मिया के कारणों पर निर्भर करता है। कुछ लोगों में गले की मसाज से समस्या का निदान हो जाता है। अन्य लोगों को दवाओं, डिजिटेलिस (लेनोक्सिन), बीटा-ब्लॉकर्स, कैल्शियम चैनल ब्लाकर्स, क्वीनीडीन (कार्डियोक्वीन या दूसरी दवाएं) या फ्लेकैनाइड (टैंबोकोर) की आवश्यकता पड़ती है। कुछ लोगों को मात्र रेडियोफ्रिक्वेंसी कैथेटर अ'ब्लेशन से फायदा होता है। इस प्रक्रिया में हृदय के उन असामान्य ऊतकों को नष्ट कर दिया जाता है जो टैकिकार्डिया को उत्प्रेरित करते हैं। कुछ अन्य रोगियों का इलाज इलेक्ट्रोकार्डियोवर्सन के द्वारा किया जा सकता है। इलेक्ट्रोकार्डियोवर्सन ऐसी प्रक्रिया है जिसमें नियत समय तक हृदय को विद्युत का झटका दिया जाता है, ताकि यह सामान्य स्थिति को फिर से प्राप्त कर सके।

टैकिकार्डिया की संभावित अवधि

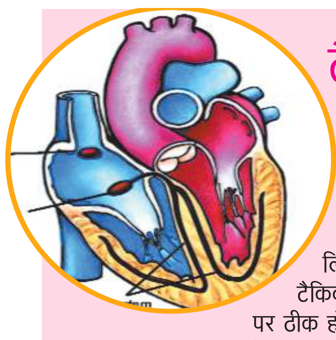

टैकिकार्डिया कितने समय तक रहता है, यह उसके कारण पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए बुखार आने के कारण टैकिकार्डिया होने पर यह बुखार उतरने पर ठीक हो जाता है। खून अधिक बह जाने के कारण टैकिकार्डिया होने पर नसों में खून या तरल चढ़ाने पर यह ठीक होता है। हायपर थायरॉयडिज्म या एड्रिनल ग्रंथियों के ट्यूमर की स्थिति का उपचार होने पर जब ये ठीक हो जाते हैं तो इनके कारण होनेवाला टैकिकार्डिया भी ठीक हो जाता है। आहार या दवाओं के कारण उत्पन्न टैकिकार्डिया से जल्दी ही निजात मिल जाती है (वास्तव में कुछ ही घंटों में, जब टैकिकार्डिया को उत्प्रेरित करने वाले रसायन शरीर से यूरीन में होकर निकल जाते हैं या इनका उपापचय हो जाता है)। हृदय रोगों के कारण होने वाला टैकिकार्डिया लंबे समय तक रह सकता है।

फेफड़े की बीमारियां

अगर टैकिकार्डिया फेफड़े में खून के थक्कों के होने के कारण होती है तो ऐसी दवाएं दी जाती हैं जिससे थक्के घुल जाएं और आगे थक्के बनने से रोका जा सके। न्यूमोनिया या ऐसी अन्य परिस्थितियों में इस प्रकार का इलाज किया जाता है। जिससे बीमारी जल्दी ठीक हो जाती है।

टैकिकार्डिया की चिकित्सा

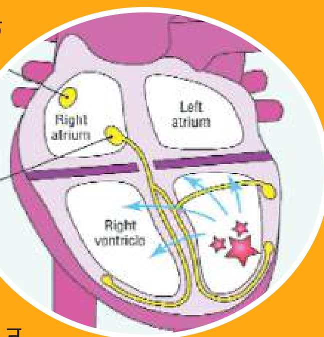

टैकिकार्डिया के इलाज के लिए इसके कारणों का निदान आवश्यक है।

- **ज्वर** : ज्वर या बुखार से संबंधित टैकिकार्डिया के उपचार के लिए बुखार कम करने वाली दवाएं ली जा सकती हैं, जैसे-एसिटामिनोफेन (टायलिनोल) या आइब्यूप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन और अन्य)। अगर बुखार बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण हुआ हो तो एंटी बायोटिक्स भी लेना आवश्यक है।
- **ब्लड लॉस** : इसके उपचार के लिए रोगी को सबसे पहले खून या इंट्रावेनस फ्लूइड चढ़ाना पड़ता है। इसके बाद रक्तस्राव के स्थान को खोजकर उसे बंद किया जा सकता है या शल्यचिकित्सा के द्वारा इसे ठीक किया जा सकता है।
- **हायपरथायरॉयडिज्म** : इसके उपचार के लिए एंटीथायरॉयड दवाएं, जैसे-प्रोपाइलथायोयूरासिल (प्रोपाइल-थायरासिल) या मेथिमाजोल (टैपाजोल) दी जाती हैं। वैकल्पिक चिकित्सा में रेडियोएक्टिव आयोडीन का उपयोग शामिल है, जो रेडीएशन के द्वारा थायरॉयड को नष्ट कर देता है या शल्यक्रिया के द्वारा थायरॉयड ग्रंथि के किसी हिस्से को हटाना, जिसे सबटोटल थायरॉयडेक्टोमी कहते हैं, को भी आजमाया जा सकता है।
- **कोरोनरी धमनी के रोग** : कोरोनरी धमनी रोग को ठीक करने के लिए दवाओं (नाइट्रेट, बीटा ब्लॉकर्स, कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स और एस्पिरीन), कोरोनरी धमनी की बायपास सर्जरी या बैलून एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता पड़ सकती है।

हृदय के वॉल्व की असामान्यताएं

वॉल्व की गंभीर असामान्यताओं के निदान के लिए इन्हें शल्यक्रिया के द्वारा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है।

नवजात स्वास्थ्य के पांच टिप्स

नवजात को स्वस्थ व रोगमुक्त रखने के लिए नवजात की देखभाल आवश्यक हो जाती है। ऐसे में शिशु का सम्पूर्ण स्वास्थ्य उसके जन्म से 28 दिन के बीच निर्धारित होता है। अगर आपका बच्चा अस्वस्थ है वो उसे चिकित्सक के परामर्श अनुसार नियो नेटल केयर में रखें। स्वस्थ बच्चों में भी कुछ बातों का खास ख्याल रखने की आवश्यकता होती है।

शिशु को स्तनपान कराना

मां के दूध को नवजात के लिए सर्वोत्तम माना जाता है क्योंलकि इसमें कोल्सिटम नामक एक पदार्थ होता है। यह पदार्थ बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है।

शिशु का रोना

नवजात का रोना हमेशा चिंता की बात नहीं होती। ज्यादातर बच्चे भूख लगने पर या बिस्तर गीला करने पर रोते हैं। बच्चे के रोने पर इन बातों का ध्यान दें। अगर बच्चा लगातार रोता रहता है, तो उसे चिकित्सक को दिखाएं।

बच्चे को ढ़कना

नवजात शिशु के शरीर को हमेशा ढ़ककर रखना चाहिए क्यों कि छोटे बच्चोंक का शरीर बाहरी तापमान के अनुसार स्वरयं को नहीं ढाल पाता।

बच्चे की मालिश

छोटे बच्चों की मालिश करने से उनकी हड्डियां मजबूत बनती हैं और यह मालिश बेहद आवश्यचक है। बच्चों की मालिश के लिए बच्चों वाले तेल का ही प्रयोग करें।

बच्चे के लिए फोटोथैरेपी

बच्चे को कुछ देर धूप में ले जाने की प्रकिया को फोटोथैरेपी कहते हैं। नवजात को कुछ समय के लिए कपड़े में ढ़ककर ही धूप भी दिखाएं।

वैरीकोज वेन्स से रहें सावधान

हमारे पैरों की नसों में जब भयंकर दर्द होता है अथवा एड़ियों और पिंडलियों में जोर का दर्द होने लगता है इसे वैरीकोज वेन्स कहते हैं। यह बीमारी जल्दी ठीक नहीं होती। अगर आप इन समस्याओं से परेशान है तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेकर उपचार करा सकते हैं।

जब त्वचा की सतह के नीचे की नसें क्षतिग्रस्त होकर उसमें सूजन और बहुत ज्यादा खून भरता है, तब उसे अपस्फित नसें कहते हैं। नसें ऐसी रक्त वाहिका है, जो दिल में खून वापस ले जाती हैं। धमनियां रक्त को दिल से दूर शरीर के बाकी हिस्सों में पहुंचाती हैं। अपस्फित नसें सबसे अधिक पैरों में होती हैं। 50 फीसदी मामलों में ये हालत वंशानुगत होती हैं। अन्य मामलों में गर्भावस्था में रक्त के दबाव में परिवर्तन या मोटापे से संबंधित होकर यह खून को दिल में वापस प्रवाहित करने में रुकावट लाती हैं और नसों में खून के रुकने की प्रवृत्ति बढ़ती है। इससे बीमारी तेजी से बढ़ती जाती है।

नसों में खून की रुकावट

इसके अलावा लगातार कई घंटों तक खड़े रहने से भी यह समस्या उत्पन्न होती है। जैसे नौकरानी, वेटर, नर्सों, युवा बच्चों के साथ माताओं के नसों को ज्यादा समय तक गुरुत्वाकर्षण के खिलाफ काम करने को मजबूर किया जाता है, जिससे दबाव संबंधित शिरा और वाल्व क्षति का खतरा बढ़ सकता है। इलास्टिक बंध और घुटने तक ऊंचे मोजों से भी अपस्फित नसों का खतरा बढ़ सकता है। यदि उसका तंग इलास्टिक पैरों के रक्त प्रवाह को धीमा करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 15 फीसदी वयस्कों में अपस्फित नसें होती हैं और ये पुरुषों की तुलना में 2 से 3 गुना अधिक महिलाओं में पाई जाती हैं। हालांकि अपस्फित नसों को अक्सर पैरों में देखा जाता है। वे गर्भावस्था के दौरान या बवासीर के रूप में गुदा के आसपास भी हो सकती हैं। अपस्फित नसें

पहले से रक्त के थक्के एक या दोनों पैरों की गहरी नसों में क्षति के साथ जुड़ा हो सकता है। जब हम ज्यादा देर तक काम करते रहते हैं तो भी नसों पर दबाव पड़ता है। जब ऐसा होता है, तब नसें प्रभावी ढंग से रक्त को दिल में वापस स्थानांतरित करने की क्षमता खो देती हैं। जिसके कारण पैर में सूजन और त्वचा पर घाव हो सकते हैं।

बीमारी की संभावित अवधि

अपस्फीत नसें एक दीर्घकालिक समस्या है, लेकिन लक्षण आते और जाते रह सकते हैं। यदि आप गर्भवती हैं और अपस्फीत नसों के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो प्रसव के बाद के लक्षणों में सुधार होगा। हालांकि, ये शायद पूरी तरह से ठीक नहीं होगी और आप भविष्य के गर्भधारण के दौरान लक्षण वापस आ सकते हैं।

वैरीकोज वेन्स का पूर्वानुमान

अपस्फीत नसें एक दीर्घकालिक समस्या है, लेकिन उनके लक्षण अक्सर पैर को ऊपर उठाकर रखकर और उपचारात्मक मोजे के साथ नियंत्रित किया जा सकता है। सर्जिकल प्रक्रियाओं से अपस्फीत नसों को स्थायी रूप से हटा सकते हैं, लेकिन वे निशान छोड़ जाते हैं और नए अपस्फीत नसों को बनाने से रोक नहीं सकते हैं।

चिकित्सा

अपस्फीत नसों के हल्के लक्षणों पर ज्यादातर लोगों पर किए जाने वाले उपचारों में शामिल हैं-

- पैर को दिन में कई बार ऊपर उठाने से
- योग्य दबाव के मोजे पहनें
- त्वचा के करीब की अपस्फीत नसों के लिए त्वचा विशेषज्ञ सेलेरोथेरेपी का सुझाव देंगे। जिसमें एक बेचैन करने वाला रसायन का इंजेक्शन प्रभावित नस में देंगे, जिससे नस क्षतिग्रस्त होकर बंद होगी। सेलेरोथेरेपी से इलाज की गई नस का बहुत ज्यादा टूटने का खतरा हो सकता है, जिससे त्वचा अल्सर हो सकता है।
- नसों में गंभीर रुकावट के साथ लोगों में विशेष रूप से घनास्त्रता या त्वचा अल्सर की बार-बार समस्या से लोगों को नसों को अनावृत्त या बाधंने की प्रक्रिया आवश्यक हो सकती है। इस सर्जरी में असामान्य नस को बांधकर और त्वचा में छोटी कटौती से शरीर से बाहर खींच लिया जाता है। दूसरी प्रकार की एक सर्जरी जिसको एंबुलेटरी फ्लेबेक्टॉमी कहते हैं, इसमें भी त्वचा पर छोटे चीरों के माध्यम से नसों को हटाते हैं, लेकिन यह कम आक्रामक है, पुरानी अनावृत्त और बांधने की प्रक्रिया से।

वैरीकोज वेन्स का निदान

आपके डॉक्टर आपके लक्षण और अपस्फित नसों के परिवार में इतिहास के बारे में पूछेंगे या वह आपकी जीवन शैली, विशेष रूप आप कितने समय खड़े रहते हैं, ये पूछेंगे। महिलाओं में चिकित्सक गर्भावस्था के इतिहास और मोजे या स्टॉकिंग्स पहनने पर इलास्टिक से पैर पर जकड़न के बारे में पूछेंगे। डॉक्टर एक सरल शारीरिक परीक्षा के साथ अपस्फीत नसों का निदान कर सकते हैं।

डॉक्टर को कब संपर्क करें

अपने चिकित्सक को फोन करें, जब भी आप को दर्द, सूजन, त्वचा अल्सर या पैर के किसी क्षेत्र में अस्पष्टीकृत संवेदना लगे तो आप डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं। एक नई सूजन विशेष रूप से सिर्फ एक पैर में, खून के थक्के के कारण जिस पर तत्काल उपचार की आवश्यकता है। यदि आपको अपस्फित नसें हैं, तो डॉक्टर को तुरंत फोन करें। अगर अपस्फित नस के पास एक अल्सर या दर्दनाक काले और नीले क्षेत्र विकसित है। यदि आपने एक अपस्फित नस की त्वचा को काटा है और आपको खून के बहाव को नियंत्रित करने में मुश्किल हो रही है तो आप डॉक्टर के पास जाकर इलाज करा सकते हैं।

रोग के लक्षण

पैर में आमतौर पर अपस्फित नसें पैर के अंदर पाई जाती हैं, एड़ियों में और पिंडली के पीछे भी नसों का दबाव भड़ता है। प्रभावित नसें नीली, सूजी हुई, ऐंठन युक्त या मरोड़ी दिखती हैं। कुछ लोगों में अपस्फित नसों के कारण कोई भी लक्षण नहीं दिखते।

- पैरों में एक सुस्त दर्द
- दबाव या पैरों में भारीपन
- पैर और एड़ियों में सूजन
- क्षतिग्रस्त नसों के त्वचा के पास खुजली

लंबे समय की रुकावट से नसों का रक्त प्रवाह धीमा होने से स्थानीयकृत त्वचा में परिवर्तन और अधिक गंभीर मामलों में सूखापन एक खरोंच या भूरा रंग और घाव हो सकते हैं। धीमी गति से रक्त के प्रवाह भी प्रभावित होकर नसों के अंदर रक्त थक्का हो सकता है। इस हालत को घनास्त्रता कहते हैं। सामान्यतः अपस्फित नसों के लक्षण दिन के अंत में और बदतर हो सकते हैं, विशेष रूप से लंबे समय तक खड़े रहने के अवधि बाद यह समस्या उत्पन्न होती है। कुछ औरतों को उनके लक्षण माहवारी से पहले दिनों के दौरान और गर्भावस्था के दौरान अधिक दिखते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरुद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

एनएचएम के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा, राजौरी में डीसी ने की बैठक

राजौरी, 18 जून। उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रगति, विकास कार्यों तथा स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों, एनएचएम कार्यक्रमों के क्रियान्वयन, स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यप्रणाली तथा आधारभूत संरचना विकास परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जिले में शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जमीनी स्तर पर निगरानी बढ़ाने, जागरूकता अभियान चलाने तथा समयबद्ध रेफरल व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया।

विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कार्यान्वयन एजेंसियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को मरीजों की देखभाल को और बेहतर बनाने, आवश्यक दवाओं एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता एवं साफ-सफाई के मानकों में सुधार लाने तथा प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

उपायुक्त ने एनएचएम कार्यक्रमों की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की तथा सेवा वितरण, मानव संसाधन तैनाती और स्वास्थ्य परिणामों से संबंधित अद्यतन जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने उपलब्धियों, चुनौतियों तथा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त मलिकज़ादा शेराज़-उल-हक, अतिरिक्त उपायुक्त राजौरी रवि कुमार सिहाग, जीएमसी एवं संबद्ध अस्पताल राजौरी के चिकित्सा अधीक्षक तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे, जबकि ब्लॉक चिकित्सा अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

सीमांत गांव कड्याला में भव्य योग सत्र आयोजित, विद्यार्थियों व जवानों की उत्साहपूर्ण भागीदारी

कठुआ, 18 जून (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में प्री-इवेंट गतिविधियों के तहत तहसील हीरानगर के सीमांत गांव कड्याला स्थित सरकारी हाई स्कूल में भव्य योग सत्र का आयोजन किया गया।

डीसी कठुआ राजेश शर्मा एवं निदेशक आयुष डॉ. अजय कुमार टिक्कू के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, स्थानीय लोगों, बीएसएफ जवानों, पंचायत प्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। एसडीएम हीरानगर फूलैल सिंह ने कहा कि योग शारीरिक मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत प्रभावी माध्यम है और इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। वहीं जिला आयुष अधिकारी डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने योग को समग्र स्वास्थ्य का आधार बताते हुए इसे जन-आंदोलन बनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग अभ्यास करने और 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेने का संकल्प लिया।

जरूरतमंदों को वितरित किए राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड

जम्मू, 18 जून (हि.स.)। संवेदना सोसाइटी के चेयरमैन केशव चोपड़ा ने एक विशेष वितरण अभियान के तहत स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता घरेलू राशन कार्ड, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा कार्ड और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (आभा) कार्ड वितरित किए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि सोसाइटी का उद्देश्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद और पात्र लोगों तक पहुंचाना है ताकि उन्हें खाद्य सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

केशव चोपड़ा ने अभियान को सफल बनाने में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के सक्रिय सहयोग से कई लोगों की लंबित दस्तावेजी समस्याओं का समाधान संभव हो पाया। लाभार्थियों ने भी इस पहल के लिए संवेदना सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आयुष्मान और आभा कार्ड मिलने से स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत होगी जबकि राशन कार्ड से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

कार्यक्रम में अंजू, सौरव गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, मनोज टंडन, सुशील गुप्ता, परशोत्तम लाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं के समाधान के लिए लगाया पब्लिक दरबार

जम्मू, 18 जून (हि.स.)। विधायक युधवीर सेठी द्वारा आयोजित पब्लिक दरबार में विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों और इलाकों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं और शिकायतें रखीं। लोगों ने राजस्व मामलों, भूमि विवादों, पेंशन, जनकल्याणकारी योजनाओं, यातायात जाम, पार्किंग, सार्वजनिक सुरक्षा, सड़क मरम्मत, जलापूर्ति, स्वच्छता और ड्रेनेज व्यवस्था सहित कई मुद्दों को उठाया।

युधवीर सेठी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वास्तविक समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता से सीधा संवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए वह पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

कई मामलों का मौके पर ही अधिकारियों से बातचीत कर निस्तारण किया गया जबकि अन्य मामलों को त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम प्रशासन और जनता के बीच संवाद को मजबूत बनाते हैं।

नानक नगर गुरुद्वारे में गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी पर्व मनाया गया

जम्मू,, 18 जून (हि.स.)। जम्मू के नानक नगर स्थित गुरुद्वारा संतपुरा दाना में श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी पर्व के उपलक्ष्य में सबील का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और गुरु साहिब जी की शहादत को नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय और लंगर की व्यवस्था की गई थी। संगत ने गुरु अर्जुन देव जी के बलिदान और मानवता के प्रति उनके संदेश को याद करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम ने पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना दिया।

जम्मू रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और टिकट चेकिंग स्टाफ का संयुक्त विशेष सुरक्षा एवं चेकिंग अभियान

जम्मू, 18 जून । ग्रीष्मकालीन अवकाश व पवित्र अमरनाथ यात्रा को देखते हुए और यात्रियों की सुरक्षा-सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, आज दिनांक 18 जून को उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल के जम्मू रेलवे स्टेशन पर एक विशेष सुरक्षा एवं सघन चेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान में राजकीय रेलवे पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और वाणिज्य विभाग के टिकट चेकिंग स्टाफ ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जम्मू रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा जायजा लेना था, क्योंकि हर वर्ष लाखों पर्यटक व श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा के लिए देशभर से जम्मू पहुंचते हैं। जम्मू रेलवे स्टेशन बाहर से आए पर्यटक व श्रद्धालुओं का प्रमुख प्रवेश द्वार है। यात्रा सीजन में यात्रियों की भारी भीड़ और सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह विशेष अभियान चलाया गया, ताकि स्टेशन परिसर में शांति, सुरक्षा और व्यवस्था बनी रहे।

इस संयुक्त चेकिंग पर बात करें, तो रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के जवानों ने सभी

आने-जाने वाली ट्रेनों, प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल, फुटओवर ब्रिज और पार्किंग क्षेत्र की बारीकी से तलाशी ली। संदिग्ध सामान, लावारिस वस्तुओं पर विशेष नजर रखी गई। इसी दौरान टिकट चेकिंग स्टाफ ने बिना टिकट, बिना बुकिंग और अनधिकृत रूप से यात्रा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। यात्रियों को वैध टिकट और पहचान पत्र साथ रखने के लिए जागरूक किया गया।

चेकिंग के दौरान यात्रियों को आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। उनसे अपील की गई कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत आरपीएफ/जीआरपी को दें।इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल* ने कहा, द्व्फ्रग्रीष्मकालीन अवकाश व यात्रा के दौरान जम्मू स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में सुरक्षा के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा भी हमारी प्राथमिकता है। जीआरपी , रेलवे सुरक्षा बल और टिकट चेकिंग स्टाफ का यह संयुक्त अभियान इसी दिशा में एक कदम है। हमारा उद्देश्य है कि हर पर्यटक व श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के सुरक्षित यात्रा करे। यात्रियों से अनुरोध है, कि वे अधिकृत टिकट लेकर ही यात्रा करें और स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं का सदुपयोग करें। जम्मू मंडल यात्रा अवधि में यात्रियों की हर संभव सहायता के लिए तत्पर है।

वार्षिक धार्मिक यात्राओं की तैयारियों की समीक्षा

डोडा, 18 जून। उपायुक्त डोडा कृष्ण लाल ने आज जिला कार्यालय परिसर डोडा के सम्मेलन कक्ष में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर जिले में आयोजित होने वाली तथा जारी वार्षिक धार्मिक यात्राओं की व्यवस्थाओं का आकलन किया और तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

बैठक में सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, अग्निशमन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया, स्वच्छता, बिजली एवं जलापूर्ति, संचार व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त डोडा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डोडा ने सभी विभागों की तैयारियों का जायजा लिया और विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

उपायुक्त ने सभी अतिरिक्त उपायुक्तों, उपमंडल मजिस्ट्रेटों (एसडीएम) तथा तहसीलदारों को यात्रा स्थलों पर व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करने और सभी आवश्यक सुविधाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तहसीलदारों को यात्रा प्रबंधन समितियों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने तथा यात्राओं के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान करने को कहा गया।

लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, विद्युत विकास विभाग तथा क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (एआरटीओ) को पर्याप्त आधारभूत एवं लॉजिस्टिक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा यात्रा समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर शिकायतों का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। आपदा प्रबंधन पर विशेष बल देते हुए उपायुक्त ने तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को यात्रा मार्गों पर संवेदनशील एवं आपदा संभावित क्षेत्रों, विशेषकर ऊंचाई वाले इलाकों की पहचान करने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए उचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सफाई कर्मियों की हड़ताल से आरएस पुरा में गंदगी बढ़ी

जम्मू,, 18 जून (हि.स.)। आरएस पुरा में सफाई कर्मियों के आंदोलन को बाजार एसोसिएशन का समर्थन मिला है जिससे उनकी लंबित मांगों को लेकर प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है। सफाई कर्मियों ने वीरवार को प्रदर्शन कर अपनी मांगों को दोहराया, वहीं बाजार एसोसिएशन के प्रधान सचिन चोपड़ा सहित अन्य व्यापारियों ने भी उनके समर्थन में आवाज उठाई। व्यापारियों ने कहा कि हड़ताल के कारण बाजार और आसपास के क्षेत्रों में गंदगी का अंबार लग गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि बरसात के मौसम को देखते हुए संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है इसलिए जल्द समाधान जरूरी है। एसोसिएशन ने प्रशासन और सरकार से सफाई कर्मियों की मांगों को प्राथमिकता से पूरा करने की अपील की है ताकि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बहाल हो सके।

डीयू और जेएनयू के छात्रों ने शहीद एडीडीसी डॉ. राज कुमार थापा स्मारक का दौरा किया

राजौरी, 18 जून। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राजौरी स्थित शहीद अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त डॉ. राज कुमार थापा स्मारक, संग्रहालय एवं पुस्तकालय का दौरा कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके जनसेवा संबंधी योगदान और विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त की।

उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा ने छात्रों के साथ संवाद करते हुए शहीद एडीडीसी डॉ. राज कुमार थापा के जीवन, सेवाओं और बलिदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने उन्हें जन-केंद्रित अधिकारी बताते हुए कहा कि जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने जिले पर स्थायी प्रभाव छोड़ा है।

उपायुक्त ने छात्रों को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किए गए सामूहिक प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नागरिक समाज संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों, स्वयंसेवकों और स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन को सहयोग प्रदान किया, जिससे प्रभावित आबादी तक समय पर राहत पहुंचाना संभव हुआ।

छात्रों ने डॉ. राज कुमार थापा की स्मृतियों और योगदान को संरक्षित रखने की इस पहल की सराहना की। उन्होंने पुस्तकालय की शैक्षणिक उपयोगिता बढ़ाने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी), सीमा अध्ययन तथा भारत-पाकिस्तान युद्धों से संबंधित अतिरिक्त पुस्तकों और संदर्भ सामग्री को शामिल करने का सुझाव भी दिया

सांसद व विधायकों ने मंत्री जावेद राणा से की मुलाकात, जनहित मुद्दों पर चर्चा

श्रीनगर, 18 जून (हि.स.)। सांसद चैधरी मोहम्मद रमजान तथा विधायक साजाद शाहीन (बनिहाल) और अली मोहम्मद डार (चाडूरा) ने गुरूवार को जल शक्ति वन पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा से अलग-अलग मुलाकात कर जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए।

बैठक में जनकल्याण, विकास कार्यों और बुनियादी ढांचे से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सांसद ने क्षेत्रीय विकास और जनसेवा से जुड़े मामलों पर मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की। विधायक चाडूरा अली मोहम्मद डार ने मदबल की सिंचाई नहर जो पिछले वर्ष बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गई थी की शीघ्र बहाली का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि यह नहर कई गांवों की कृषि भूमि के लिए महत्वपूर्ण है और इसके प्रभावित होने से किसानों को परेशानी हो रही है। वहीं विधायक साजाद शाहीन ने भी अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाते हुए विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मंत्री से हस्तक्षेप की मांग की। मंत्री जावेद राणा ने सभी जनप्रतिनिधियों की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बढ़ती महंगाई, जम्मू-कश्मीर को राज्य दर्जा और पेपर लीक मामलों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

जम्मू, 18 जून (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने सांबा जिले के रामगढ़ में बढ़ती महंगाई के खिलाफ आयोजित एक विशाल विरोध रैली को संबोधित किया। पूर्व मंत्री यशपाल कुंडल के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने आवश्यक वस्तुओं, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। कर्रा ने कहा कि महंगाई के कारण आम

जनता, किसान, मजदूर, व्यापारी और मध्यम वर्गीय परिवार गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। रैली को संबोधित करते हुए कर्रा ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग दोहराई और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस प्रक्रिया में अनावश्यक देरी कर रही है। उन्होंने पेपर लीक की घटनाओं और बढ़ती बेरोजगारी पर भी चिंता जताते हुए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का आरोप लगाया।

मवेशियों की तस्करी पर शिकंजा कसते हुए 6 पशु छुड़ाए, ड्राईवर गिरफ्तार

पुंछ, 18 जून (हि.स.) मवेशियों की तस्करी रोकने और कानून लागू करने की लगातार कोशिशों के तहत सुरनकोट पुलिस ने रूटीन चेकिंग के दौरान मिर्जा मोड़ पर जेके12सी-8924 रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक टाटा मोबाइल गाड़ी को रोका। जांच करने पर गाड़ी में छह मवेशी पाए गए। वहीं ड्राइवर मवेशियों की ढुलाई के लिए कोई वैध अनुमति या दस्तावेज नहीं दिखा सका।

इसके बाद सुरनकोट पुलिस स्टेशन में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। ड्राइवर को पकड़ लिया गया है और मामले की आगे की जांच चल रही है।

पुलिस ने चोरी का मामला सुलझाया, 5 लाख रुपये कीमत के चोरी हुए बिजली के तार बरामद

रामबन, 18 जून (हि.स.)। रामबन पुलिस ने बिजली के तार की चोरी के एक बड़े मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है और लगभग 471 किलोग्राम चोरी का सामान बरामद किया है। इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

11/12 जून 2026 की रात को अज्ञात लोगों ने कोवबाग, रामबन से बिजली के तार के दो ड्रम चुरा लिए। सूचना मिलने पर रामबन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और तुरंत जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीमों ने डिजिटल ट्रेल और तकनीकी सबूतों का बारीकी से विश्लेषण किया और हरे रंग के तिरपाल से ढके नीले रंग के थ्री-व्हीलर ऑटो लोड कैरियर और उस पर सवार दो लोगों के साथ एक लाल रंग की स्कूटी की पहचान की। आगे की गहन कोशिशों से जेके18ए-3726 रजिस्ट्रेशन नंबर वाले वाहन की पहचान हुई। रिकॉर्ड की जांच से पता चला कि वाहन इरशाद हुसैन डार पिता- मो. अकबर डार, निवासी होवरा यारीपोरा, जिला कुलगाम के नाम पर रजिस्टर्ड था। तेजी से कार्रवाई करते हुए, पीएसआई आफताब अहमद और इरफान हुसैन के नेतृत्व में जांच टीम कुलगाम गई और कायमोह पुलिस स्टेशन की मदद से इरशाद हुसैन डार पिता- मो. अकबर डार निवासी होवरा यारीपोरा, कुलगाम) के घर के बाहर खड़े वाहन का पता लगाकर उसे जब्त कर लिया। लगातार पूछताछ के दौरान उसने चोरी के तार के ट्रांसपोर्टेशन में अपनी भूमिका स्वीकार की और अपराध में शामिल अपने साथियों के बारे में जानकारी दी।

GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR
DIRECTORATE OF INDUSTRIES AND COMMERCE
(REGISTRAR OF SOCIETIES/FIRMS JAMMU}

1st Floor, Jawahar Lal Nehru Udyog Bhawan, Rail Head Complex, Jammu. (TelePhone/Fax- 2474085)

PUBTIC NOTICE

The society namely," Sai Shyam Educational Society "located at 27 , Mohinder Nagar,Canal Road Jammu, was registered with the office of Registrar of societies, Jammu under erstwhile societies registration Act 1998 under registration No.3713-s of 2001 dated 09th July 2001.

Now, the below mentioned members with **sh, chaman Lal Tickoo as Founder Member** of the said society have applied for re-registration of society in the office of Registrar of Society under Society Registration Act, 1860. Objections if any, from individual, Institution, state or semi state Government organization may kindly be communicated to the office of Registrar of Societies (Director, Industries and Commerce) 1" Floorlawahar Lal Nehru Udyog Bhawan, Rail Head Complex, Jammu by post or in person within a period of 10 days from the date of publication of this notice in the news paper'

S. No	Name with Parentage	Occupation	Designation in Society
1	Mr. Chaman Lal Tickoo S/o Sh. Shyam Lal Tickoo R/o 27,Mohinder Nagar,Canal Road,Jammu.	Business	Chairman
2	Mr. Alok Tickoo S/o Sh. C.L.Tickoo R/o 27, Mohinder Nagar, Canal Road, Jammu.	Pvt. Engineer	Secretary
3	Prof. Bushan Lal Thusoo S/o Sh. B.N. Thusoo R/o Ashok Nagar, Jammu.	Rtd.Professor	Educational Advisor
4	Smt. Shanta Dhar D/o Late M.N. Dhar R/o Ashok Nagar, Jammu.	Pvt. Teacher	Member
5	Prof Girdhari Lal Koul S/o Late Gopi Nath Koul R/o H.No. 03, Lane No. 03,Roop Nagar,Jammu.	Business	Member
6	Dr.Usha Thusoo D/o Lt. S.N.Thusoo R/o Old Mohinder Nagar, Jammu.	Retd. Professor	Member
7	Dr. Rinkoo Kokilloo D/o Sh. Tej Krishan Kokilloo R/o Ashok Nagar, Jammu.	BDS	Member

Sd/-
Joint Director (M&P)
Dte' of Industries and Commerce,
Jammu

DIP/J-3955/26
Dtd: 18-6-2026

संपादकीय

मानसून सुरक्षा को मिले प्राथमिकता

जम्मू-कश्मीर में पिछले कई वर्षों की तरह, विशेषकर वर्ष 2025 में, मानसून का मौसम लोगों और समुदायों के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आया। बादल फटना, बाढ़, भूस्खलन, अचानक आने वाली बाढ़ (फ्लैश फ्लड) और अन्य प्राकृतिक आपदाएं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आम और लगातार होने वाली घटनाएं बन गई हैं। बीता वर्ष विशेष रूप से खतरनाक साबित हुआ, जब मानसूनी मौसम की मार से अनेक लोगों की जान गई, करोड़ों रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचा और कृषि क्षेत्र को भी भारी क्षति हुई।

उल्लेखनीय है कि भारी वर्षा के कारण अखरोट की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई थी, जबकि अन्य फसलों को भी अभूतपूर्व नुकसान झेलना पड़ा। चिशोटी त्रासदी की दर्दनाक यादें आज भी लोगों के मन में ताजा हैं। हालांकि सरकार ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं, फिर भी यह एक सामान्य स्थिति बन चुकी है कि मानसून का मौसम लोगों के लिए कठिनाइयां और त्रासदियां लेकर आता है।

ऐसे में यह आवश्यक है कि आपदा प्रबंधन संबंधी जागरूकता के माध्यम से लोगों को शिक्षित किया जाए, ताकि अपरिहार्य प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सके। साथ ही, विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों और नदियों-नालों के आसपास बसे इलाकों में मानसून के दौरान पर्याप्त तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जानी चाहिए।

जागरूकता फैलाने के महत्व को देखते हुए इसे हर वर्ष मानसून शुरू होने से पहले नियमित अभियान का रूप दिया जाना चाहिए। खराब मौसम, उफनते जलस्रोतों और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान किस प्रकार व्यवहार करना चाहिए, इसकी सही जानकारी लोगों की जान बचा सकती है और नुकसान को कम कर सकती है।

बाढ़ और भूस्खलन जैसी परिस्थितियों में लोगों को अपनी संपत्ति की चिंता छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाना चाहिए, क्योंकि सबसे बड़ी प्राथमिकता मानव जीवन की रक्षा है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। इस वर्ष मानसून के आगमन से पहले ही जम्मू क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से बादल फटने की दो घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में यह और भी आवश्यक हो जाता है कि व्यापक जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को यह बताया जाए कि खराब मौसम, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन के दौरान क्या करना चाहिए और किन बातों से बचना चाहिए।

सरकार को इस दिशा में एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान शुरू करना चाहिए, क्योंकि मौसम की मार से लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा के लिए यह अत्यंत जरूरी है। जहां तक संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले या वहां आने-जाने वाले लोगों का सवाल है, उन्हें जारी दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन करना चाहिए और किसी भी प्रकार के जोखिमपूर्ण या लापरवाह व्यवहार से बचना चाहिए, जो बाद में भारी नुकसान का कारण बन सकता है।

सभी संबंधित पक्षों—सरकार, प्रशासन, स्थानीय निकायों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों—का साझा प्रयास यही होना चाहिए कि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को न्यूनतम किया जाए तथा लोगों और पशुधन के जीवन की अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

भारत से शिकागो और फिर हुगली तक- स्वामी विवेकानंद के योग संदेश की वैश्विक यात्रा

1897 में भारत लौटने के बाद, स्वामी विवेकानंद ने देशभर में व्याख्यान दिए और लोगों को भारत की आध्यात्मिक परंपराओं को पुनः खोजने के लिए प्रेरित किया।1 मई 1897 को, स्वामी विवेकानंद ने हावड़ा के बेलूर मठ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की — जो हुगली नदी के पश्चिमी किनारे पर है, उस जगह से थोड़ी ही दूरी पर जहाँ रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर में अपने आखिरी साल बिताए थे।बंगाल में हुगली नदी के तट पर स्थापित यह संस्थान एक आंदोलन का वैश्विक मुख्यारलय बन गया, जिसनेवेदांतके आदर्शों, सेवा को पूजा मानना (शिव ज्ञाने जीव सेवा)तथा योग-दर्शन के व्यावहारिक अनुप्रयोग का व्यापक प्रचार-प्रसार किया।

– प्रतापराव जाधव

समूचे इतिहास में, कुछ विचार सरहदों के पार जाकर समाजों को बदलते रहे हैं।योग भारत की प्राचीनतम परंपराओं में से एक है, जिसकी यात्रा प्राचीन शास्त्रों से शुरू होकर वैश्विक मान्यथता तक जा पहुँची है।

योग शब्द — जो संस्कृत के मूल शब्द युज से लिया गया है, जिसका अर्थ है जोड़नायाएकत्व स्थापित करना- अपने भीतर दार्शनिक चिंतन और व्यावहारिक अनुशासन की एक समग्र प्रणाली समाहित किए हुए है, जिसका उद्देश्यव्यक्ति जीवात्मा कासार्वभौमिक चेतना परमात्मा के साथ मिलन कराना है।

योग के प्रारंभिक बीजऋग्वेद लगभग 1500-1200 ईसा पूर्वमें मिलते हैं, जहाँतप औरध्यान जैसी अवधारणाओं का उल्लेख किया गया है। आगे चलकर इन विचारों का विकासउपनिषदोंमें हुआ, जिन्होंने योग के अनेक दार्शनिक सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया। हालाँकियोग को उसका सर्वाधिक व्यवस्थित स्वरूपमहर्षि पतंजलिद्वारा रचितयोगसूत्र लगभग 200 ईसा पूर्व-400 ईस्वी ने प्रदान किया- इसमेंअष्टांग योग अथवा आठ अंगों वाले मार्गका वर्णन किया गया है, जिसमेंयम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधिशामिल हैं।

पतंजलि के अलावा, भगवद गीता योग को जीवन जीने के गतिशील दर्शन के रूप में प्रस्तुत करती है। कुरुक्षेत्रके युद्धक्षेत्र की पृष्ठभूमि में भगवान कृष्ण और अर्जुनके बीच का संवाद मानव कर्तव्य, उद्देश्य और आध्यात्मिक उन्नति के विषय में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। भगवद्गीता में वर्णित विभिन्न मार्गों में कर्म योग निःस्वार्थ कर्म का मार्ग, ज्ञान योग ज्ञान का मार्ग और भक्ति योग भक्ति का मार्ग मुक्ति प्राप्ति के तीन प्रमुख पथ माने गए हैं।अतः भारत केवल योग की जन्मभूमि ही नहीं है—यह एक जीवंत सभ्यता है, जहाँ योग सहस्राब्दियों से स्वाभाविक रूप से विकसित हुआ है, और जो इसकी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक तथा दार्शनिक संरचना का अभिन्न अंग रहा है।

हालाँकि, औपनिवेशिक शासन के दौरान भारतीय समाज के शिक्षित वर्ग का एक बड़ा हिस्सा पश्चिमी बौद्धिक विचारधाराओं से प्रभावित होने और योग सहित भारत की अनेक पारंपरिक ज्ञान-परंपराओं को बदलती आधुनिक दुनिया में अपेक्षाकृत कम प्रासंगिक माना जाने लगा।ऐसे महत्वपूर्ण समय में, स्वाबमी विवेकानंद एक सशक्त स्वनर बनकर उभरे, जिन्होंने लोगों को योग के वास्तविक महत्व को फिर से जानने में मदद की।

स्वामी विवेकानंदने अपने उपदेशों औरविश्व धर्म संसदमें दिए ऐतिहासिक भाषण के माध्यम सेदुनिया का ध्यारन भारत की आध्यात्मिक विरासत की ओर आकृष्टन किया और योग की शाश्वत ज्ञान-परंपरा के प्रति लोगों में नया विश्वास जगाया।उन्होंने विश्व के विभिन्न भागों के लोगों के साथवेदांत और योग के सिद्धांतसाझा किए तथा यह स्पष्ट किया कि योग केवल एक धार्मिक साधना नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत विकास, आंतरिक शांति और आत्म-विकास का मार्ग भी है।विदेशों में स्वामी विवेकानंद को मिले व्यापक सम्मान और प्रशंसा ने भारतीयों के मन में अपनी प्राचीन परंपराओंऔरसंस्कृति के प्रति नया विश्वास और गौरव उत्पन्न किया।

स्वामी विवेकानंद ने शिकागो – और उसके बाद अमेरिका भर में तथा यूरोप के विभिन्न देशों में अपने व्यापख्यायनों के माध्यम से पश्चिमी जगत को राजयोग मन के नियंत्रण का योग, ज्ञानयोग विवेक और ज्ञान का मार्ग, कर्मयोग निःस्वार्थ सेवा का मार्ग तथा भक्तियोग ईश्वर-प्रेम और समर्पण का मार्ग से परिचित कराया। पतंजलि के योग सूत्रों पर आधारित उनकी पुस्तकराजयोग(1896), पश्चिमी समाज के लिए योग-दर्शन का परिचय कराने वाली प्रारंभिक और सर्वाधिक प्रभावशाली कृतियों में से एक बनगई।

राजयोगपर दिए अपने व्याख्यानों मेंस्वामी विवेकानंद ने योग को मानव चेतना के आंतरिक आयामों की खोज करने वाली एक व्यवस्थित और अनुभव-आधारित साधना के रूप में प्रस्तुत किया। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि मानवता के लिए भारत का सबसे बड़ा योगदान उसकी आध्यात्मिक ज्ञान-परंपरा है, और योग उस परंपरा की सबसे गहन तथा स्थायी अभिव्यक्तियों में से एक है।उनके विचारों ने उस समय के जाने-माने बुद्धिजीवियों और विचारकों का ध्यान खींचा, जिससे भारतीय दर्शन के साथ पश्चिमी देशों का जुड़ाव और बढ़ा।

जो बात शायद कम चर्चित है—किंतु उतनी ही महत्वपूर्ण है, —वह यह है कि पश्चिमी देशों मेंस्वामी विवेकानंद के कार्यों ने भारत के भीतर ही योग के पुनर्जागरण को प्रेरित किया। जब स्वामी विवेकानंद 1897 में भारत लौटे, तो वे खाली हाथ नहीं लौटे थे। वह अपने साथ एक नया आत्मविश्वास – भारत की आध्यात्मिक विरासत पर गर्व की एक नई भावना लाए थे – जो पश्चिम में उनके स्वागत से और बढ़ गई थी।

1897 में भारत लौटने के बाद, स्वामी विवेकानंद ने देशभर में व्याख्यान दिए और लोगों को भारत की आध्यात्मिक परंपराओं को पुनः खोजने के लिए प्रेरित किया।1 मई 1897 को, स्वामी विवेकानंद ने हावड़ा के बेलूर मठ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की — जो हुगली नदी के पश्चिमी किनारे पर है, उस जगह से थोड़ी ही दूरी पर जहाँ रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर में अपने आखिरी साल बिताए थे । बंगाल में हुगली नदी के तट पर स्थापित यह संस्थान एक आंदोलन का वैश्विक मुख्यारलय बन गया, जिसनेवेदांतके आदर्शों, सेवा को पूजा मानना (शिव ज्ञाने जीव सेवा)तथा योग-दर्शन के व्यावहारिक अनुप्रयोग का व्यापक प्रचार-प्रसार किया।

रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जैसे आध्यात्मिक गुरुओं की धरती होने के बावजूद, बदलते समय के साथ बंगाल में योग की सार्वजनिक दृश्यता धीरे-धीरे कम होती गई। जीवनशैली में परिवर्तन, आधुनिक प्राथमिकताओं के उभरने और सामाजिक संरचना में बदलाव के कारण योग धीरे-धीरे सार्वजनिक जीवन के केंद्र से दूर होता गया।फिर भी, इसकी जड़ें आध्यात्मिक संस्थाओं और समर्पित साधकों के माध्यम से जीवित रहीं।

11 सितंबर 1893 को, अमेरिका के बहनों और भाइयों के अमर अभिवादन के साथ शुरुआत करते हुए, स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया। अब यह पंक्तियाँ पश्चिम बंगाल के बहनों और भाइयों, अपने ही घर में योग की घर वापसी के साक्षी बनिए-शिकागो के वैश्विक मंच से लेकर हुगली के तट तक – गहरे भावनात्मक संबंध को व्यक्त करती हैं, जो हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाती हैं, जब स्वामी विवेकानंद ने दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया था। उनका संदेश भारत से विश्व तक पहुँचा और योग, सामंजस्य तथा आंतरिक शांति के मूल्यों का प्रसार करता गया।

आज हुगली के तटों पर जो लौटा है, वह स्वयं योग नहीं है—क्योंकि भारत में योग कभी समाप्त ही नहीं हुआ—बल्कि योग के प्रति वह नवीनीकृत वैश्विक मान्यता और सराहना है, जिसकी शुरुआत भारत के प्राचीन ऋषियों से हुई और जिसे स्वामी विवेकानंद के संदेश ने विश्व मंच पर नए रूप में अभिव्यक्त किया।

यह आज लौट आया है — पुनर्जीवित, पुनःमान्य और पुनःस्थापित होकर — बंगाल में हुगली नदी के तट पर, जहाँबेलूर मठ आज भी उस यात्रा की जीती-जागती यादगार के तौर पर खड़ा है।आज जब विश्वभर में योग का अभ्यास किया जा रहा है और जब दुनिया इसे एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता देती है, —ऐसे में यह याद रखना आवश्यक है कि योग की यह वैश्विक यात्रा अपने केंद्र में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक मिशन को समाहित किए हुए है।

आज, कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव के साथ, ऐसा लग रहा है मानो योग की खूबसूरत घर वापसी उसी सरजमीं पर हो रही है,जहाँ से इसके संदेश ने विश्व मंच तक की अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। हुगली नदी के तट एक बार फिर इस बात के साक्षी बन रहे हैं कि लोग एक ऐसी परंपरा का उत्सव मनाने के लिए एकत्र हो रहे हैं, जिसने महासागरों पार किया था और अब ज्यादा पहचान और सम्मान के साथ लौटी है।

शिकागो से हुगली तक की यात्रा केवल एक अभ्यास की यात्रा नहीं है; यह एक विचार — और वास्तव में एक भावना — की यात्रा है, जो संतुलन, करुणा और आत्म-चेतना के माध्यम से तथा आंतरिक सामंजस्य की खोज के द्वारा मानवता को निरंतर जोड़ती रहती है।

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वलतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं)

नारी शक्तिकादशक, विकसित भारत का उत्कर्ष

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

देश के किसी भी गाँव, बस्ती या सुदूर इलाके में जाइए- हर घर की रसोई में एक जैसी बदली हुई हवा महसूस होगी द्य चूल्हे के जिस काले धुएँ ने कभी नई दुल्हन की आँखों में आँसू भरे थे, उज्ज्वला की नीली लौ ने उसे विदा कह दिया है। जो माँ कभी कोसों दूर से पानी ढोती थी, आज उसकी बेटी के पास 'हर घर जल' का अपना नल है। खेत के पीछे की वह शर्मनाक मजबूरी अब इतिहास है- आँगन में स्वच्छ भारत का शौचालय गरिमा के साथ खड़ा है। सिर पर पक्की छत है, और उसके मालिकाना हक पर पहली बार- घर की महिला का नाम लिखा है। पर्स में जन-धन की पासबुक है और फोन में यूपीआई का ऐप है।

यह किसी पोस्टर पर छपी कोई काल्पनिक तस्वीर नहीं, बल्कि मोदी सरकार के बारह वर्षों में महिला सशक्तिकरण का एक ऐसा सच है, जिसे देश की करोड़ों महिलाएँ हर रोज़ जी रही हैं। यह उस दौर की दास्तान है जिसमें Women Led Development के विजन के साथ भारतीय नारी विकसित भारत की शिल्पकार बन रही है।

इस बदलाव की विशालता को समझने के लिए एक दशक पीछे लौटिए। एक समय मातृ मृत्यु दर 212 थी। निर्भया जैसी घटना पर देश का आक्रोश सड़कों पर था, लेकिन व्यवस्था में नीतिगत इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता की कमी दिखाई देती थी। महिला आरक्षण विधेयक 1996 सेचारबारअधरमें लटकारहा और ट्रिपलतलाकपर दशकों तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई। चूल्हा साँसोंमेंकालिखघोलता था। दूरस्थ हैंडपंपरोज़मर्रा की बेबसी का प्रती क था भारतीय नारी एक नई सुबह की प्रतीक्षा मेंअपने हिस्से की उम्मीद बचाए हुए थी

शुरुआत करते हैं सबसे पवित्र आँकड़े—जीवन का अधिकार से। देश में मातृ मृत्यु दर तेजी से घटकर 212 से 88 पर आ गई है। UN-MMEIG के अनुसार जहाँ वैश्विक स्तर पर मातृ मृत्यु दर में महज़ 48% की कमी आई, वहीं भारत ने 86% की ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की है। संस्थागत प्रसव 38.7त्न से बढ़कर 90.6% हो चुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने चार करोड़ से अधिक माताओं के बैंक खातों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक सीधे हस्तांतरित कर सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ बचपन की नींव मजबूत की है।

देश में बने 12 करोड़से अधिक घरेलू शौचालयों ने महिलाओं को गरिमा दी द्य10.5 करोड़ से अधिक उज्ज्वला कनेक्शनों ने धुएँ से मुक्ति दी। आज 16 करोड़ से अधिक घरों तक नल का पानी पहुँच चुका है—जबकि 2014 में महज 17त्न परिवारों के पास यह सुविधा थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के लगभग 4 करोड़ घरों में से 73त्नघर महिलाओं के नाम पर हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार सरकारी रिकॉर्ड्स पर माँ-बहनों का नाम गर्व से दर्ज है।

गरिमा से स्वामित्व आया, और स्वामित्व ने निर्णय लेने का आत्मविश्वास दिया। आर्थिक भागीदारी का यह विस्तार बैंक खाते से शुरू होकर उद्यमिता तक पहुँचा है लगभग 56 करोड़ जन-धन खातों में 56% खाते महिलाओं के नाम पर हैं। विश्व बैंक मानता है- भारत ने एक दशक में खाता-स्वामित्व के जेंडर गैप को शून्य पर ला दिया है, जो वैश्विक वित्तीय समावेशन के इतिहास में अभूतपूर्व है। मुद्रा योजना के तहत 52 करोड़ से अधिक जमानत-मुक्त ऋणों में से 68त्न ऋण महिलाओं को मिले हैं। स्टैंड-अप इंडिया ने महिला उद्यमियों को 43,000 करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं और卐दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों (स।त्नह्य) ने 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी जुटाई है।निर्धारित समय से पहले 3 करोड़ बहनें 'लखपति दीदियाँ' बन चुकी हैं।

यह बदलाव शिक्षा और रोजगार में भी स्पष्ट है देश में महिला श्रम शक्ति भागीदारी वर्ष 2017-18 के 23.3% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 41.7त्न हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह भागीदारी 47.6% तक पहुँच चुकी है।सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अब तक 4.53 करोड़ खातों में 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है। उच्च शिक्षा में हमारा जेंडर समानता सूचकांक1 के पार हैऔरस्ञ्जश्वरूशिक्षा में बेटियों की भागीदारी 43% है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक में से एक है।

यह परिवर्तन केवल अनुभवों में नहीं, SRS, NFHS, PLFS, विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र—हर रिपोर्ट एक ही दिशा की ओर इशारा करती है- भारतीय महिला के लिए पहुँच बढ़ी है और आत्मनिर्भरता का नया आसमान खुला है।

इसी आर्थिक-सामाजिक चेतना का विस्तार राजनैतिक और लोकतांत्रिक भागीदारी में दिख रहा है। वर्ष 2019 के आम चुनावों में पहली बार महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा।वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में 31.2 करोड़ महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया—यह वैश्विक स्तर पर महिलाओं की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी थी इसी के फलस्वरूप दशकों से लंबित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संसद में ऐतिहासिक सर्वसम्मति से पास हुआ। आज जमीनी स्तर पर 14.5 लाख से अधिक महिला प्रतिनिधि पंचायतों का नेतृत्व कर रही हैं। देश की रक्षा की अग्रिम पंक्ति में भी महिलाएँ राफेल उड़ा रही हैं और नौसेना की कमान संभाल रही हैं।

योग से जीवन को दिशा दें

–गिरीश्वर मिश्र

आज की डिजिटल और दौड़-धूप वाली ज़िन्दिगी में हम खुद को भी वस्तुओं की भीड़ में खड़े पाते हैं। उस भीड़ में हम खोते जा रहे हैं और कभी-कभी खुद को भी पहचानना कठिन हो रहा है। घटनाओं का द्रुतगामी आवेग ऐसा हो रहा है कि हमारे जीवन का क्षण-क्षण कुछ नया पुराना जोड़ता जा रहा है और हम सब परिवर्तन के तनाव से जूझ रहे हैं। ऐसे में जब कभी अपने स्वभाव को समझने चलते हैं तो अपने को बड़ी जटिल संरचना से मुखातिब पाते हैं, जिसमें मन और शरीर दोनों हैं जो सोचने और करने के दायित्व को निभाने का काम करते हैं। यह संरचना जटिल होते हुए भी सहज है क्योंकि उसके सारे अवयव एक संगति और लय में काम करते हैं। और तो और वे परस्पर निर्भर होने के कारण एक-दूसरे के पूरक भी हैं।

बात यहीं नहीं ख़त्म होती क्योंकि यह संरचना क्रियाशील है। यह एक जैविक उपकरण की तरह कार्य करता है जो सतत रचता रहता है। इसीलिए शरीर को प्रमुख या आद्य साधन माना गया है। कवि कालिदास के शब्दों में शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम् कहकर स्मरण किया जाता है। गोस्वामी तुलसीदास उसे साधन-धाम कहते हैं जो मोक्ष यानी सारे कष्टों से छुटकारा दिलवाता है। इतिहास साक्षी है कि मनुष्य के कर्तृत्व की कोई सीमा नहीं है पर उसके लिए मन और शरीर की जुगलबंदी अच्छी तरह से होनी चाहिए।

वस्तुतः मन-शरीर मिल कर जो कुछ भी हमें सृजन करने का मौक़ा देते हैं वह अपूर्व यानी नया होता है। मन में उठे विचारों से जो यात्रा शुरू होती है वह शब्दों और कर्मों से होकर विभिन्न उत्पादों के रूप में भैतिक जगत में मूर्त आकार पाती है। इस रची जाती दुनिया के साथ हमारा नित्य साबका पड़ता है और फिर हम भी बदलते हैं और हमारी दुनिया भी बदलती है। यह क्रम सदा चलता रहता है। सच कहें तो इस तरह की गतिशीलता या गतिमय होना जीवन की निशानी होती है। कहने को वह एक स्थिति भी है और प्रगति तथा विकास की यात्रा को दिशा भी देती है। वह पथ भी है और पाथेय भी।

जब कहा गया धर्मार्थकाममोक्षाणामारोग्यं मूलमुत्तमम् यानी धर्म, अर्थ, और मोक्ष इन चारों पुरुषार्थ के लिए आरोग्य उत्तम मूल यानी मुख्य आधार है तो इसी तरफ़ संकेत किया गया था कि मन और शरीर की जगलबंदी की लय बनी रहे। आरोग्य यानी निरोगी रहना विकारों से मुक्त रहना है। यही हमारा स्वभाव है और उसे बनाए रखना हर प्राणी का कर्तव्य है। प्रकृति ने इसी तरह से प्रोग्राम किया है पर आज इस लय को बनाये रखना मुश्किल हो रहा है क्योंकि स्वाभाविक प्रोग्राम पर चलने के रास्ते में बहुत से विकार आड़े आ रहे हैं। विकार बाधक होते हैं और आगे बढ़ने में रोड़ा तो अटकाते ही हैं, साथ ही हमारी शक्ति और ऊर्जा का अपव्यय भी होते हैं। जब हमारा ध्यान अपने लक्ष्य से भटक जाता है, तो हम काम नहीं कर पाते।

आज के तेज़ी से डिजिटल हो रहे युग में बच्चे-बूढ़े सभी आमतौर पर ध्यान के भटकाव की शिकायत करते मिलते हैं। उनका चित्त स्थिर नहीं रह पाता है और इसके फलस्वरूप कोई काम ठीक से नहीं हो पाता और स्मृति भी कमजोर पड़ने लगती है। दूसरी ओर यह सबका अनुभव है कि ध्यानावस्थित या दत्तचित्त होकर ही कोई कार्य सिद्ध किया जा सकता है। 'ध्यान देना' और कुछ नहीं, अपनी चेतना के सतत प्रवाह को एक दिशा में ले जाना है। हम ध्यान को किसी वस्तु, व्यक्ति या घटना में केंद्रित या फ़ोकस करते है। इसके लिए स्वयं अपने ऊपर काम करना होगा। अपना उद्धार करने के लिए ख़ुद खड़ा होना होगा- उद्धरेदात्मनात्मानम्। इसके लिए अपने को वस्तु से हटकर साक्षी की भूमिका अपनानी पड़ती है।

सामान्य अनुभव तो यही है कि बाहर की दुनिया की चकाचौंध हमें खूब आकर्षित करती है पर उस तरफ़ आगे बढ़ने से किसी एक विचार या वस्तु पर ध्यान केंद्रित करने में बाधा पड़ती है। बाहरी दुनिया जिसे हम ठोस सच्चाई या ऑब्जेक्टिव ट्रुथ मानते हैं उसे परम सत्य समझने से हमारा मन उस सत्य के साथ उलझता चला गया। उसके आकर्षण में बंधकर आदमी ख़ुद को उसी में देखने-तलाशने का अभ्यास करने में जुट जाता है। उसके साथ जुड़ाव से उपजने वाली आसक्ति हमारी अपनी समझ और मौलिक पहचान को आशंकित करने लगती है और हम संशयग्रस्त हो जाते हैं।

बाहरी आकर्षण की पराकाष्ठा तब होती है जब द्रष्टा दृश्य में विलीन होने के लिए छटपटाने लगता है। चाहने वाले की तीव्र चाह चाही गई वस्तु के साथ एकमेक होने को आतुर हो उठती है। व्यापक पहचान घनीभूत होती है और वस्तु में समा जाती है। पर कोई वस्तु अंततः वस्तु ही होती है पर उससे आसक्ति उसे जो प्रबल रूप देती है उसके सामने सब झूठा पड़ जाता है। तीव्र भ्रम सत्य से प्रबल होकर कुछ भी करा सकता है (खबर आई थी कि कुछ दिनों पूर्व जापान में एक महिला ने डिजिटल/एआई/रोबो की आभासी कृति से शादी रचाई थी!)। कुल मिलाकर अन्तर्जगत और बाह्य जगत के साथ तालमेल बैठाना यानी ठीक तरह और ठीक जगह जोड़ना जुड़ना आज की सबसे बड़ी चुनौती हो रही है। आज पूरे विश्व में मनोरोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि दर्ज हो रही है। ऐसे में योग-शास्त्र और उसकी साधना बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है।

योग का अर्थ है जुड़ना, पर हर तरह का जुड़ना आकस्मिक या जानबूझकर मिलने का संयोग हो सकता है। योग-शास्त्र के अनुसार योग एक विशेष प्रकार से सायास जुड़ने का नाम है। योग विद्या के आलोक में अन्तर और बाह्य जगत के साथ हमारा रिश्ता नया ओजस्वी अर्थ प्राप्त कर लेता है। यम और नियम नैतिक जीवन जीने की प्रक्रिया बताते हैं तो आसन शरीर का रखरखाव और उसकी क्षमता को संबर्धित करने का काम कराते हैं। प्राणायाम हमारे श्वांस और प्राणिक ऊर्जा को व्यवस्था करते हैं। प्रत्याहार बाह्य दुनिया के साथ विवेकपूर्ण सामन्ध को नियमित करता है। ध्यान, धारणा और समाधि अंतरंग योग हैं जो चेतना के परिष्कार को संभव बनाते हैं। इसीलिए महर्षि अरविंद कहते हैं कि पूरा जीवन ही योग है।卐 वह योग को समग्र जीवन-दर्शन के रूप में प्रस्तुत करते हैं। सबसे जुड़कर ही अच्छी तरह से जीना संभव हो पाता है। उसके लिए आवश्यक तैयारी भी अनेक स्तरों पर करनी होती है। योग के जिस स्वरूप को महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में 'योग-सूत्र' प्रस्तुत किया था वह इसी तैयारी का मॉडल या नक्शा है। उसे अष्टांग योग कह कर वह यही कहना चाहते थे कि जैसे सभी अंगों से मिल कर शरीर बनता है उसी तरह योग भी अनेक पक्षों से मिल कर बना है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा और समाधि सबको मिला कर ही योग की रचना पूर्ण होती है। किसी एक अंग (जैसे-आसन या प्राणायाम) मात्र को ही योग कहना अतिव्याप्त करने वाली बात है। इसलिए वह समझ और तदनुसार आचरण असंगत और दिग्भ्रमित करने वाला होगा। खेद है कि आज इसी तरह का भ्रम फैला हुआ है। हमें यह याद रखना होगा कि योग स्वयं अपने को नियमित करने की ऐसी पद्धति है जो हमें अपना वास्तविक स्वरूप वापस दिलाती है। योग की यात्रा के साथ हम अपने दृश्य को दृश्य के रूप में और ख़ुद को द्रष्टा के रूप में ग्रहण करना शुरू करते हैं। दृश्य के मजबूत बंधनों से छुटकारा पाना आसान नहीं है। हमारा चंचल मन तो हमेशा दृश्य की ओर ही खिंचा रहता है। उसे दृश्य से वापस लेने या प्रत्याहार के लिए हमारे द्वारा सजग चेष्टा जरूरी होती है। गीता की मानें तो उसके लिए गहन अभ्यास और दृश्य विषय के प्रति आकर्षण कम करना होगा। उसके साथ बर्ताव तो करना होगा, पर आँख मूँदकर नहीं बल्कि विवेक के साथ। उसके साथ हमें अनासक्त भाव से व्यवहार करना होगा। आँख,कान, नाक आदि स्वभाव वश देखने, सुनने और सूंघने का काम तो करेंगे पर क्या और कितना देखें, सुनें और सूंघें यह इन ज्ञानेन्द्रियों पर या बाहर उपस्थित विषयों पर नहीं छोड़ा जा सकता। यह यांत्रिक ढंग से (मैकेनिकली) नहीं चलना चाहिए। आज जिस तरह बाजार हमारी जरूरतों को बता रहा है और हमें निर्देशित कर रहा है, वह सबके अनुभव का विषय है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

एफआईएच प्रो लीगः भारतीय मेंस हॉकी टीम का दमदार प्रदर्शन, वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराया

एजेंसी

रॉटरडैम । एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 में भारतीय पुरुष टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को एकतरफा मुकाबले में 3-1 से हराया। मनदीप सिंह (7वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (13वें मिनट) और नीलकांत शर्मा (35वें मिनट) के गोलों की बदौलत भारत ने शानदार जीत हासिल की। इस मुकाबले में भारतीय टीम का डिफेंस भी काफी मजबूत नजर आया। मिडफील्डर हार्दिक सिंह को मिडफील्ड से खेल को संभालने के उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वहीं, मनप्रीत सिंह भारत की ओर से सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बने। उन्होंने दिलीप टिर्की के 412 मैचों के रिकॉर्ड को तोड़ा। 413 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले मनप्रीत अब पुरुषों की ऑल-टाइम इंटरनेशनल कैप (सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाले खिलाड़ी) की लिस्ट में बेल्जियम के जॉन-जॉन डोहमेन (481), नीदरलैंड्स के ट्यून डी नूइजर (453), ऑस्ट्रेलिया के एडी ओकेनडेन (451), और ग्रेट ब्रिटेन के बैरी मिडलटन (432) के बाद पांचवें नंबर पर हैं।भारत ने पजेशन कंट्रोल करके मैच की अच्छी शुरुआत की और जर्मनी पर दबाव बनाए रखा। इसका फायदा 7वें मिनट में मिला जब मंदीप ने गोल के सामने एक तेज टर्न से गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले, लाकड़ा ने 13वें मिनट में जर्मन गोलकीपर अलेक्जेंडर स्टैडलर को छकाते हुए एक शानदार स्ट्राइक से भारत का स्कोर 2-0 कर दिया।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हैरी केन का कमाल, गैरी लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की

अर्लिंग्टन । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हैरी केन ने इंग्लैंड की पहली जीत में अहम भूमिका निभाई। केन के दो दमदार गोल की बदौलत इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया। केन ने इन दो गोल के साथ ही खास उपलब्धि को भी अपने नाम कर लिया है। हैरी केन इंग्लैंड की ओर से फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में संयुक्त रूप से पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान गैरी लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की। केन विश्व कप में अब लिनेकर के बराबर 10 गोल कर चुके हैं। इस मुकाबले से पहले लिनेकर की बराबरी करने के लिए केन को 2 गोल की दरकार थी। केन ने पहले ही हाफ में दो गोल करते हुए लिनेकर के ऐतिहासिक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। केन ने 12वें मिनट में स्पॉट से अपना पहला गोल किया, जिससे वह टूर्नामेंट के इतिहास में पांच पेनल्टी (शूटआउट को छोड़कर) करने वाले पहले खिलाड़ी बने। वहीं, हाफ टाइम से ठीक पहले उन्होंने मैच में अपना दूसरा गोल दागा। हैरी केन ने साल 2018 में अपना पहला फीफा वर्ल्ड कप खेला था। इस विश्व कप में इंग्लैंड ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था और हैरी केन 6 गोल के साथ गोल्डन बूट जीतने में सफल रहे थे। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे थे। इसके बाद 2022 वर्ल्ड कप में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और सेनेगल और फ्रांस के खिलाफ 2 गोल किए।

फीफा वर्ल्ड कपः कोलंबिया ने किया जीत के साथ आगाज, उज्बेकिस्तान को 3-1 से दी मात

द्वमेक्सिको सिटी । कोलंबिया ने फीफा वर्ल्ड कप में अपनी वापसी का जश्न मेक्सिको सिटी स्टेडियम में डेब्यू कर रहे उज्बेकिस्तान पर 3-1 की रोमांचक जीत के साथ मनाया। ग्रुप (के) के मुकाबले में कोलंबिया की ओर से लुइस डियाज ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एक गोल करने के साथ-साथ एक असिस्ट (गोल करने में मदद) भी किया। 2022 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाने के बाद टूर्नामेंट में लौटी कोलंबिया का रिकॉर्ड इस मुकाबले से पहले विश्व कप के पहले मैचों में खराब रहा था। कोलंबिया ने अब तक छह वर्ल्ड कप खेले हैं, लेकिन उनमें से चार बार उसे अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। मैच के शुरुआती पलों में दोनों टीमों की तरफ से अटैकिंग अप्रोच देखने को मिली। कोलंबिया को 17वें मिनट में पहला बड़ा मौका मिला, जब जॉन एरियास का लंबी दूरी का शॉट साइड नेटिंग से टकराया। इसके बाद 32वें मिनट में लुइस डियाज ने शानदार मूव बनाया और डेनियल मुनोज के लिए गोल करने का बेहतरीन मौका तैयार किया। मुनोज ने बेहतरीन फिनिश करते हुए कोलंबिया को 1-0 की बढ़त दिला दी।

फीफा वर्ल्ड कपः घाना ने पनामा को 1-0 से हराया, कालेब यिरेंकी बने जीत के नायक

टोरंटो । फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत घाना ने जीत के साथ की है। ग्रुप एल के मुकाबले में घाना ने कालेब यिरेंकी के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत पनामा को 1-0 से मात दी। मैच की शुरुआत में पनामा ने अच्छा खेल दिखाया। आमिर मुरिलो के लो क्रॉस पर सेसिलियो वाटरमैन को गोल का मौका मिला, लेकिन घाना के गोलकीपर बेंजामिन असारे ने डाइव लगाते हुए शानदार बचाव किया। इसके बाद पनामा को एक और मौका मिला, जब असारे का खराब पंच सीधे जियोवानी रामोस के पास गिरा, लेकिन वह भी इसे गोल में तब्दील नहीं सके। घाना ने भी जवाबी हमले किए और दूसरे हाफ में दोनों टीमों की तरफ से आक्रामक खेल देखने को मिला। क्रिस्टियन मार्टिनेज ने एक ढीली गेंद पर शॉट लगाने की कोशिश की, लेकिन उनका प्रयास साइड नेटिंग में चला गया और टीम बढ़त नहीं ले सकी। घाना के कोच कार्लोस क्वेरोज ने दूसरे हाफ में दो बदलाव किए, जिसका तुरंत असर देखने को मिला। सब्स्टीट्यूट ब्रैंडन थॉमस-असांटे ने दाईं ओर से तेज रन बनाते हुए जॉर्डन अयू को शानदार पास दिया, लेकिन पनामा के डिफेंस ने समय रहते बचाव कर लिया। दोनों टीमों की तरफ जारी कोशिशों के बावजूद मैच गोलरहित ड्रा की तरफ बढ़ता हुआ दिख रहा था।

गिल-ईशान के शतकों से भारत का धमाका, अफगानिस्तान को 170 रन से रौंदकर सीरीज पर कब्जा

एजेंसी

लखनऊ। कप्तान शुभमन गिल और ईशान किशन की शानदार शतकीय पारियों तथा गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 170 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित 50 ओवर में विशाल 402 रन का स्कोर खड़ा किया। भारतीय पारी की सबसे बड़ी खासियत कप्तान शुभमन गिल और ईशान किशन के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 224 रन की साझेदारी रही। गिल ने 154 रन की कप्तानी पारी खेली, जबकि ईशान किशन ने 125 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में

पहुंचाया। 403 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम कभी भी लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी। रहमत शाह ने संघर्ष करते हुए 79 रन बनाए, लेकिन दूसरे बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। अफगानिस्तान की पूरी टीम 44.3 ओवर में 232 रन पर सिमट गई। दारविश रसूली चोटिल होने के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए और दोबारा बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं लौट सके। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार सबसे सफल रहे। दोनों ने तीन-तीन विकेट झटककर अफगान बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। अन्य गेंदबाजों ने भी सटीक लाइन और लेंथ से दबाव बनाए रखा। अफगानिस्तान की ओर से नांगेलिया खरोटे ने चार विकेट और राशिद खान ने तीन विकेट हासिल किए, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों द्वारा बनाए गए विशाल स्कोर के सामने यह प्रदर्शन नाकाफी साबित हुआ। इससे पहले, भारत ने धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया था।

अंडर 19 महिला ट्रॉयल के लिए 12 क्रिकेटर चयनित

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की अंडर 19 महिला टीम का ट्रायल 19 जून को प्रातः सात बजे कमला क्लब मैदान, कानपुर पर होगा। ट्रायल के लिए इलाहाबाद मंडल की 12 क्रिकेटरों का चयन किया है। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की निदेशक डॉ. जूली ओझा के अनुसार चयनित क्रिकेटरों में खुशी सिंह, अंशिका अस्थाना, हंसी सिंह, संध्या यादव, कात्यायिनी पाठक, अनामिका चक्रवर्ती, भार्गवी पांडेय, शिवानी मौर्या, अक्शा फातिमा, वंदना साहू, रिया सोनकर एवं आस्था मिश्रा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी को अपने आधार कार्ड और डिजिटल मूल जन्म प्रमाणपत्र एवं उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन रजिस्ट्रेशन स्लिप के साथ ट्रायल में भाग लेना होगा। ट्रायल सफेद किट और लाल गेंद से होगा।

भारत में फॉर्मूला-1 सही समय और मजबूत योजना के साथ लौटेगा : स्टेफानो डोमेनिकाली

एजेंसी

नई दिल्ली। फॉर्मूला-1 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अध्यक्ष स्टेफानो डोमेनिकाली ने भारत को मोटरस्पोर्ट के लिए बेहद संभावनाशील बाजार बताते हुए कहा है कि आने वाले वर्षों में भारत फॉर्मूला-1 की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने संकेत दिए कि भारतीय ग्रां प्री की वापसी को लेकर गंभीर स्तर पर विचार चल रहा है, हालांकि इसके लिए दीर्घकालिक और मजबूत योजना जरूरी होगी।

फैनकोड से विशेष बातचीत में डोमेनिकाली ने भारत को जुनून, ऊर्जा और युवा दर्शकों वाला देश बताया। उन्होंने कहा कि भारत का बाजार न केवल विशाल है, बल्कि यहां के दर्शक तेजी से युवा और विविध हो रहे हैं, जो फॉर्मूला-1 के भविष्य के लिए बेहद अहम है।उन्होंने कहा, 'भारत हमारे लिए एक असाधारण बाजार है। यहां खेल के प्रति उत्साह लगातार बढ़ रहा है और भविष्य में इसकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी।'

भारतीय ग्रां प्री की वापसी पर क्या बोले डोमेनिकाली

भारत में फॉर्मूला-1 रेस की संभावित वापसी को लेकर पूछे गए सवाल पर डोमेनिकाली ने कहा कि फॉर्मूला-1 की भारत वापसी की इच्छा स्पष्ट है लेकिन इसके लिए सही साझेदार, सही निवेश और सही समय का इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा, 'भारत लौटने में हमारी गहरी रुचि है। हालांकि यह बहुत निकट भविष्य में संभव नहीं दिखता लेकिन अगले पांच वर्षों के भीतर संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। अभी कोई निश्चित तारीख तय नहीं हुई है लेकिन हर स्तर पर बढ़ती रुचि दिखाई दे रही है।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत में वापसी केवल एक रेस आयोजन नहीं होगी बल्कि बड़े स्तर का खेल और मनोरंजन मंच तैयार किया जाएगा।

स्थानीय दर्शकों तक पहुंच बनाने पर रहेगा जोर डोमेनिकाली ने कहा कि फॉर्मूला-1 अब केवल खेल नहीं बल्कि मनोरंजन और संस्कृति से जुड़ा वैश्विक मंच बन चुका है। भारत में दर्शकों तक पहुंच बढ़ाने के लिए स्थानीय भाषा और क्षेत्रीय जुड़ाव को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि फॉर्मूला-1 भारत में फैनकोड के साथ मिलकर हिंदी और तमिल जैसी भाषाओं में प्रसारण, विशेष सामग्री और दर्शक सहभागिता कार्यक्रमों पर काम कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने संकेत दिए कि भविष्य में बॉलीवुड से जुड़े सहयोगी प्रोजेक्ट भी भारतीय दर्शकों को जोड़ने के लिए शुरू किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'भारत हमारी प्राथमिकता सूची में शामिल है। यहां के दर्शकों तक उनकी भाषा और संस्कृति के माध्यम से पहुंचना ही हमारी आगे की रणनीति होगी।' फॉर्मूला-1 प्रबंधन के इस बयान ने भारतीय मोटरस्पोर्ट प्रशंसकों के बीच एक बार फिर भारतीय ग्रां प्री की वापसी की उम्मीदों को मजबूत कर दिया है।

'टीम के प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी', डीआर कांगो के खिलाफ ड्रॉ के बाद रोनाल्डो ने किया पुर्तगाल का बचाव

एजेंसी

ह्यूस्टन । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में पुर्तगाल फुटबॉल टीम की शुरुआत निराशाजनक हुई है। टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में पुर्तगाल को डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि, पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने टीम का बचाव किया है। रोनाल्डो ने कहा कि डीआर कांगो के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पुर्तगाल टीम के प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी। रोनाल्डो खुद इस मुकाबले में कोई गोल नहीं कर सके। रोनाल्डो के तीनों शॉट गोल पोस्ट से बाहर चले गए। रोनाल्डो ने मैच के बाद पुर्तगाल के 'स्पोर्ट टीवी' से एक छोटी बातचीत में कहा, 'कुछ भी कमी नहीं थी, फुटबॉल ऐसा ही है। हम जीत भी सकते थे।' अपने करियर के छठे वर्ल्ड कप के पहले मैच में रोनाल्डो का एक भी शॉट गोल पोस्ट में नहीं पहुंचा। यह दूसरी बार भी है जब उन्होंने वर्ल्ड कप मैच में 90 मिनट तक टारगेट पर कोई शॉट नहीं मारा। रोनाल्डो के करियर का यह 23वां वर्ल्ड कप मैच था। वह फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे नंबर पर आ गए हैं। रोनाल्डो पुर्तगाल की तरफ से 10

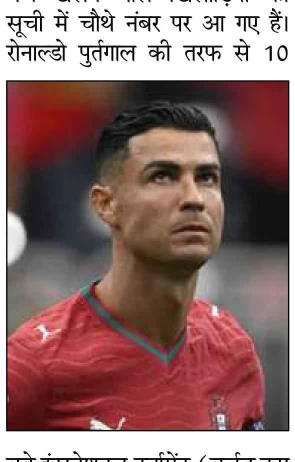

बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट (वर्ल्ड कप और यूरो कप) खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 33 शॉट खेले हैं, जिसमें से 11 शॉट टारगेट पर पहुंचे हैं। पुर्तगाल ने डीआर कांगो के खिलाफ 75 प्रतिशत से ज्यादा समय तक गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन टीम मुकाबले में दूसरा गोल करने में नाकाम रही। पुर्तगाल ने मैच में अपना पहला गोल छठे मिनट में किया। जोआओ नेवेस ने टीम के लिए पहला गोल दागा। हालांकि, फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में योआन वीसा ने डीआर कांगो की ओर से पहला गोल करते हुए स्कोर को पहले हाफ के अंत में बराबर कर दिया। इसके बाद डीआर कांगो के डिफेंस ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पुर्तगाल को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'जब आपको गोल की जरूरत हो, तो रोनाल्डो जैसे खिलाड़ी को बेंच पर बैठाने का कोई मतलब नहीं है।' उन्होंने कहा कि रोनाल्डो डिफेंडर्स को अपनी ओर खींचने का काम करते हैं, जिसकी वजह से बाकी खिलाड़ियों को गोल करने के लिए जरूरी जगह मिल पाती है। पुर्तगाल अब अगले मुकाबले में उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा।

भारत ने नीदरलैंड को 95 रन से हराकर टी-20 विश्व कप में दर्ज की दूसरी जीत

एजेंसी

लीड्स। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नीदरलैंड को 95 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। हेडिंग्ले स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 209 रन बनाए, जो इस विश्व कप में टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में नीदरलैंड की पूरी टीम 17.3 ओवर में 114 रन पर सिमट गई।

भारत की जीत की नींव सलामी बल्लेबाजों स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने रखी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 115 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। मंधाना ने 74 रन की बेहतरीन पारी खेली और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वहीं शेफाली वर्मा ने 55 रन बनाकर आक्रामक बल्लेबाजी का परिचय दिया। 210 रन के

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार विकेट हासिल किए। उन्होंने 17वें ओवर में तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मुकाबले को पूरी तरह भारत के पक्ष में कर दिया।

श्री चरणी ने ओवर की पहली गेंद पर फ्रेडरिक ओवरडिज्क को आउट किया। अगली ही गेंद पर मिर्थे वैन डेन राड बिना खाता खोले विकेटकीपर ऋचा घोष के हाथों कैच आउट हो गई। ओवर की अंतिम गेंद पर आइरिस ज्वीलिंग भी पवेलियन लौट गई मैच का अंत भी शेफाली वर्मा ने शानदार अंदाज में किया। उन्होंने 18वें ओवर में दो गेंदों के अंतराल पर दो विकेट लेकर नीदरलैंड की पारी समेट दी। शेफाली ने बल्लेबाजी में अर्धशतक लगाने के साथ गेंदबाजी में भी तीन विकेट झटककर ऑलराउंड प्रदर्शन किया। लगातार दूसरी जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। बल्लेबाजों और गेंदबाजों के संतुलित प्रदर्शन ने टीम के खिताबी अभियान को नई मजबूती प्रदान की है।

ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन 22 से 27 जून तक रायपुर में

एजेंसी

रायपुर। प्रतिष्ठित ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन पहली बार रायपुर में होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता 22 से 27 जून तक बूढ़ापारा स्थित स्क्वैश कॉम्प्लेक्स में आयोजित की जाएगी। यह आयोजन जूनियर और सीनियर दोनों श्रेणियों में हो रहा है। इसमें पीएसए सैटेलाइट (पुरूष और महिला) स्पर्धाएं भी शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया है कि यह प्रतियोगिता स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की 5 स्टार रैंकिंग प्राप्त है, जिसे एशियन स्क्वैश फेडरेशन और प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन से भी मान्यता प्राप्त है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की 5-स्टार रैंकिंग प्रतियोगिता है, जिसमें भारत, सिंगापुर सहित 3 देशों और 21 राज्यों के लगभग 349 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट के लिए 2000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन के संस्थापक डॉ. विष्णु कुमार श्रीवास्तव को चैंपियनशिप का चेयरमैन तथा प्रदेश संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार अग्रवाल को वाइस चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

भारत ए ने अफगानिस्तान ए को 101 रन से रौंदा, फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ए ने त्रिकोणीय श्रृंखला के अपने अंतिम लीग मुकाबले में अफगानिस्तान ए को 101 रन से हराकर फाइनल में शानदार अंदाज में प्रवेश कर लिया। बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने एकतरफा जीत दर्ज की और खिताबी मुकाबले का टिकट पक्का कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ए ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 319 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से प्रियांश आर्य, कप्तान तिलक वर्मा और कुमार कुशाग्र ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों पर 58 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। उनके साथ वैभव सूर्यवंशी ने 38 रन का योगदान देकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़कर मजबूत नींव रखी।

मध्यक्रम में कप्तान तिलक वर्मा और कुमार कुशाग्र ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 104 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर की ओर अग्रसर किया। तिलक ने 75 गेंदों पर 59 रन बनाए, जबकि कुशाग्र ने 67 गेंदों में 58 रन की उपयोगी पारी खेली। अंत में विपराज निगम ने 20 गेंदों पर 30 रन बनाकर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचाया। 320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान ए की शुरुआत सकारात्मक रही, लेकिन वह बड़ी साझेदारियां बनाने में नाकाम रही। कप्तान इमरान मीर ने 32 रन बनाए, जबकि फैसल शिनोजादा और बहिर शाह ने टीम को संभालने का प्रयास किया। दोनों के बीच 87 रन की साझेदारी हुई, जिससे मुकाबले में कुछ समय के लिए रोमांच बना रहा। हालांकि भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट हासिल कर अफगानिस्तान को वापसी का मौका नहीं दिया। बहिर शाह ने सर्वाधिक 57 रन बनाए, लेकिन उनके आउट होते ही अफगानिस्तान की उम्मीदें भी समाप्त हो गईं। भारत की ओर से निशांत सिंधु ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 4 विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी। यश ठाकुर ने दो विकेट हासिल किए। अफगानिस्तान ए की पूरी टीम 36.5 ओवर में 218 रन पर सिमट गई और भारत ए ने 101 रन की बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने फाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है, जबकि अफगानिस्तान ए के लिए अब फाइनल की राह बेहद कठिन हो गई है।

प्रथम अंडर-16 क्लब चैंपियनशिप : हेरिटेज अकादमी ने दून स्टार्स को 50 रन से हराया

एजेंसी

देहरादून। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ दून के तत्वावधान में आयोजित प्रथम अंडर-16 क्लब चैंपियनशिप-2026 के एक लीग मुकाबले में हेरिटेज क्रिकेट अकादमी ने दून स्टार्स स्पोर्टिंग क्लब को 50 रन से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हेरिटेज क्रिकेट अकादमी की टीम ने 38.5 ओवर में 196 रन बनाए। टीम की ओर से ओजस्वी मित्तल ने 74 रन और नैतिक भट्ट ने 51 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। दून स्टार्स की ओर से सार्थक बिजलवान और आध्या रावत ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके बाद 197 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दून स्टार्स स्पोर्टिंग क्लब की टीम 35.5 ओवर में 146 रन पर सिमट गई। टीम के लिए सिद्धार्थ राय ने सर्वाधिक 34 रन बनाए। हेरिटेज क्रिकेट अकादमी ओजस्वी मित्तल को उनकी 74 रन की शानदार पारी के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना गया,

की ओर से आशुतोष ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर पांच विकेट हासिल किए, जबकि आयुष भंडारी ने चार विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया। जबकि आशुतोष पांच विकेट लेकर मैच के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। इस जीत के साथ हेरिटेज क्रिकेट अकादमी ने टूर्नामेंट में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है।

ब्राससिटी अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट : रुक्मणी एकेडमी ब्लू की टीम 30 रन से जीती

एजेंसी

मुरादाबाद। ब्राससिटी अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के मैदान पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ब्लू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी रेड को 30 रन से हराकर जीत दर्ज की। 77 रन की पारी खेलकर 3 विकेट लेने वाले रुक्मणी क्रिकेट अकादमी ब्लू के वरुण धवन मैन ऑफ द मैच चुने गए। क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि स्टेडियम में रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ब्लू व रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी रेड के बीच मैच सम्पन्न हुआ।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ब्लू ने 43.2 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 224 रन बनाए। टीम की ओर से वरुण धवन ने 47 गेंद में 77 रन की शानदार पाली खेली। 225 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी रेड की टीम 195 रन पर ऑल आउट हो गई । मोहम्मद फैज ने 27 रन की आक्रामक पारी खेली, जबकि नजरायन ने 14 रन बनाए। मध्यक्रम में विवेक गौड़ ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 41 रन बनाकर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। वरुण धवन और मोहम्मद आदिल ने तीन-तीन विकेट लिए।

मुंबई में 'साइक्लिंग बाय द सी' के साथ हुआ फिट इंडिया साइक्लोथॉन, केंद्रीय खेलमंत्री ने किया नेतृत्व

एजेंसी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया विजन को आगे बढ़ाते हुए मुंबई के वर्ली कोस्टल साइकिल ट्रैक पर फिट इंडिया साइक्लोथॉन - 'साइक्लिंग बाय द सी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने किया।

इस आयोजन में फिटनेस प्रेमियों, साइकिल चालकों, युवाओं और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। डॉ. मांडविया ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और प्रतिभागियों के साथ साइकिल यात्रा में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार फिटनेस को जन आंदोलन बनाने और सक्रिय जीवनशैली के जरिए विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ, ताहा शाह बदुशा, ऐश्वर्या राज भाखुनी तथा ओलंपियन पहलवान एवं पुलिस उपायुक्त

नरसिंह यादव भी शामिल हुए और नागरिकों को फिटनेस अपनाने के लिए प्रेरित किया। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार फिटनेस को विकसित भारत की आधारशिला बताते रहे हैं। फिट इंडिया मूवमेंट देशभर के नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने साइक्लिंग के व्यापक महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के कारण ईंधन आपूर्ति को लेकर उत्पन्न चुनौतियों के बीच साइकिल को टिकाऊ और ऊर्जा-कुशल परिवहन के रूप में बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि साइक्लिंग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

डॉ. मांडविया ने बताया कि पिछले दो वर्षों में फिट इंडिया अभियान में देशभर से लाखों नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है, जिससे देश में फिटनेस संस्कृति को मजबूती मिली है।उन्होंने कहा, 'एक फिट नागरिक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है और स्वस्थ समाज समृद्ध राष्ट्र की नींव होता है। विकसित भारत के निर्माण की दिशा में फिटनेस एक महत्वपूर्ण माध्यम है।' फिट इंडिया साइक्लोथॉन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के उस अभियान का हिस्सा है जिसके तहत नागरिकों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने और नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूक किया ।

मोदी के नेतृत्व में भारत तीव्र गति से विकसित होने वाला व्यापार अनुकूल राष्ट्रः खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ज्यादा मजबूत, तीव्र गति से विकसित होने वाला और व्यापार अनुकूल राष्ट्र बना हैसांसद प्रवीण खंडेलवाल ने नई दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में सुधार, सुशासन और विकास के जिस संकल्प के साथ यात्रा प्रारंभ हुई थी, वह आज विकास, नवाचार और समावेशी प्रगति के वैश्विक मॉडल के रूप में स्थापित हो चुकी है। खंडेलवाल ने भारत की आर्थिक स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में लगभग 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला भारत आज चार ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की अर्थव्यवस्था बन चुका है। वहीं, देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वित्त वर्ष 2014-15 के लगभग 106 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 330 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर पांच प्रमुख वैश्विक आर्थिक शक्तियों में शामिल है। इसके साथ ही आज भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

पहले दिन ही दोगुना से ज्यादा सब्सक्राइब हुआ क्ले क्राफ्ट का आईपीओ, 19 जून तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली। बोन चाइना क्रॉकरी का उत्पादन करने वाली कंपनी क्ले क्राफ्ट इंडिया का 110.11 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 19 जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 जून को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद शाम चार बजे तक इस आईपीओ 2.24 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 193 रुपये से लेकर 203 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 1,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,43,600 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 54.24 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.40 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.25 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.33 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

दीक्षा पॉलिमर्स का आईपीओ लॉन्च, 24 जून को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। पेट बॉटल और कंटेनर का उत्पादन करने वाली कंपनी दीक्षा पॉलिमर्स लिमिटेड का 17.90 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 19 जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद शाम 3:45 बजे तक इस आईपीओ को 99 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 112 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,68,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 15,98,400 शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.45 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.45 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.10 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला लायोटेक इंडस्ट्रीज का आईपीओ, 24 जून को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। हार्डवेयर स्ट्रक्चजर और एसेसरीज का निर्माण करने वाली कंपनी लायोटेक इंडस्ट्रीज का 36.02 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 19 जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 321 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। लायोटेक के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 800 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,56,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 11.22 लाख शेयर जारी हो रहे हैं।

भारत और यूके व्यापार समझौता 15 जुलाई से लागू, भारतीय निर्यात और पेशेवरों को बड़ा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) ने घोषणा करते हुए जानकारी दी कि कॉम्प्रिहेन्सिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट (सीईटीए) 15 जुलाई से लागू होगा। इसके साथ ही दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। इसी दिन सोशल सिक्योरिटी पर एग्रीमेंट, जिसे डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन (डीसीसी) कहा जाता है, वो भी लागू होगा। इससे यूके में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को अधिक सुविधा मिलेगी और कॉम्पिटिटिवनेस प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी बढ़ेगी। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, डीसीसी के तहत मिलने वाली छूट की अवधि तीन साल से बढ़ाकर पांच साल कर दी गई है। यह यूके में अस्थायी रूप से काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'भारत-यूके संबंधों के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मुझे खुशी है कि भारत-यूके कॉम्प्रिहेन्सिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई 2026 से लागू होगा। यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को काफी बढ़ावा देगा। ' उन्होंने आगे कहा, 'इससे भारतीय किसानों, श्रमिकों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और नवाचार करने वालों के लिए कई नए अवसर खुलेंगे। यह विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। मैं और प्रधानमंत्री स्टार्मर हमारे आर्थिक संबंधों को मिली इस नई गति से बेहद खुश हैं। ' इस ऐतिहासिक समझौते की नींव मई 2021 में रखी गई थी, जब दोनों देशों ने एन्हांस्ड ट्रेड पार्टनरशिप और इंडिया-यूके रोडमैप 2030 को अपनाया था। इसका उद्देश्य दोनों देशों के रिश्तों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचाना और 2030 तक आपसी व्यापार को 100 अरब डॉलर तक ले जाना था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, '15 जुलाई 2026 से सीईटीए और डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन के एक साथ लागू होने से भारत के निर्यात के लिए बड़े अवसर पैदा होंगे। हमारे 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर तुरंत शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने से लंबे समय से मौजूद शुल्क संबंधी बाधाएं खत्म हो जाएंगी। '

उन्होंने कहा कि इससे भारत के वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, इंजीनियरिंग और प्रोसेस्ड फूड जैसे क्षेत्रों को बराबरी का अवसर मिलेगा और वे अपने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बिना किसी नुकसान के वैश्विक बाजार में बेच सकेंगे।

30 अध्यायों वाले सीईटीए को नई पीढ़ी के व्यापार समझौतों का एक नया मॉडल माना जा रहा है। यह सीधे तौर पर भारत के 'विकसित भारत 2047' के विजन को समर्थन देता है।

दिल्ली में अनाज भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी दिल्ली के भारत मंडपम के लीडर्स लाउंज में एक कार्यक्रम में अनाज भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का उद्घाटन करेंगे। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक कार्यक्रम में उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया और बीएल वर्मा भी उपस्थित रहेंगे।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर डिपो दर्पण के तहत केंद्रीय भंडारण निगम और भारतीय खाद्य निगम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले गोदामों को सम्मानित किया जाएगा। स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम को वेयरहाउस मैनेजमेंट के तरीकों को मजबूत करने और अनाज भंडारण के कामों में दक्षता बढ़ाने के लिए एक इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी-बेस्ड समाधान के तौर पर पेश किया जा रहा है। ये प्रणाली गोदाम संचालन को बेहतर बनाने और शासन तंत्र को मजबूत करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, स्वचालन और विश्लेषण सहित उन्नत प्रौद्योगिकियों को शामिल करेगी।

किआ की नई सॉनेट की भारत में टेस्टिंग शुरू, क्या 2027 में फिर बनेगी कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट की बादशाह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के कॉम्पैक्ट एसयूवी बाजार में पिछले कुछ वर्षों के दौरान किआ सॉनेट ने अपनी मजबूत पहचान बनाई है। आकर्षक डिजाइन, आधुनिक सुविधाओं और कई इंजन विकल्पों के कारण यह वाहन ग्राहकों के बीच लोकप्रिय रहा है। अब कंपनी इसकी अगली पीढ़ी पर काम कर रही है और हाल ही में भारत की सड़कों पर इसके परीक्षण के दौरान दिखाई देने से यह साफ हो गया है कि किआ आने वाले वर्षों में इस सेगमेंट में अपनी स्थिति और मजबूत करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों और सामने आई तस्वीरों के अनुसार नई पीढ़ी की सॉनेट वर्ष 2027 में भारतीय बाजार में प्रवेश कर सकती है। इस बार कंपनी केवल बाहरी डिजाइन में बदलाव तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि प्लेटफॉर्म, तकनीक, केबिन स्पेस और सुरक्षा के स्तर पर भी बड़े सुधार देखने को मिल सकते हैं। पूरी तरह नए अंदाज में नजर आएगी सॉनेटहालांकि परीक्षण के दौरान देखे गए मॉडल को भारी आवरण से ढका गया था, फिर भी कई महत्वपूर्ण बदलावों की झलक सामने आई है।

वाहन के अगले हिस्से में नए प्रकार की प्रकाश व्यवस्था देखने को मिल सकती है। ऊर्ध्वाधर शैली में लगाए गए मुख्य प्रकाश उपकरण और बूमरैंग जैसी आकृति वाले दिन में जलने वाले प्रकाश इसे अधिक आधुनिक स्वरूप दे सकते हैं। वाहन के अगले हिस्से की ग्रिल पहले की तुलना में अधिक सुसंगठित और प्रीमियम दिखाई देने की संभावना है। वहीं बंपर को भी अधिक मजबूत और आकर्षक बनाया जा सकता है। इससे सॉनेट का सड़क पर प्रभाव पहले से अधिक दमदार दिखाई देगा।नई सॉनेट के साइड हिस्से को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि कंपनी इसे अधिक मस्कुलर और मजबूत व्यक्तित्व देना चाहती है। बड़े व्हील आर्च, रूफ रेल और बॉडी क्लैडिंग इसे स्पोर्टी स्वरूप प्रदान कर सकते हैं। साथ ही वाहन में आगे और पीछे दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक मिलने की संभावना भी दिखाई दे रही है, जिससे सुरक्षा और नियंत्रण में सुधार हो सकता है। यह कदम प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद कर सकता है। नई पीढ़ी की सॉनेट का सबसे बड़ा बदलाव उसके केबिन में देखने को मिल सकता है। परीक्षण मॉडल की तस्वीरों से संकेत मिलता है कि वाहन में दो बड़ी 12.3 इंच की स्क्रीन का संयोजन दिया जा सकता है। एक स्क्रीन चालक को वाहन संबंधी जानकारी प्रदान करेगी जबकि दूसरी मनोरंजन और कनेक्टिविटी सुविधाओं के लिए होगी।

एनएसई ने आईपीओ लाने के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी

नई दिल्ली/मंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए फंड जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ़्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा मसौदा दस्तावेज के मुताबिक एनएसई का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। एनएसई के करीब 30,000 करोड़ रुपये के आकार वाला ये आईपीओ पूरी तरह मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश पर आधारित है, , जिसमें मौजूदा शेयरधारक कुल 14.89 करोड़ शेयर बेचेंगे। इस निर्गम के जरिए शेयरधारक सामूहिक रूप से एनएसई में अपनी करीब छह फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। यह बहुप्रतीक्षित आईपीओ अक्टूबर 2024 में आए हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के निर्गम के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकता है। इसमें प्रमुख हिस्सेदारी विक्रेताओं में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

(एसबीआई) शामिल है, जो अपना 2.48 करोड़ शेयर बेचेगा, जबकि एमएस स्ट्रैटेजिक (मॉरीशस) लिमिटेड 1.60 करोड़ शेयरों की बिक्री करेगा। इसके अलावा अन्य प्रमुख विक्रेताओं में कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड (1.19 करोड़ शेयर), अरांडा इन्वेस्टमेंट्स (मॉरीशस) प्रा. लिमिटेड (1.12 करोड़ शेयर), बैंक ऑफ बड़ौदा (1.10 करोड़ शेयर) और स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (1.09 करोड़ शेयर) शामिल हैं। हालांकि एनएसई में सबसे अधिक 10.72 फीसदी की हिस्सेदारी रखने वाली बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) इस निर्गम में कोई शेयर नहीं बेचेगी।एनएसई के निदेशक मंडल ने छह फरवरी को प्रस्तावित आईपीओ को मंजूरी दी थी। यह मंजूरी भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिलने के बाद दी गई थी। आईपीओ की तैयारी के तहत एनएसई ने 20 मर्चेंट बैंकर के अलावा कानूनी सलाहकारों और अन्य मध्यस्थों की नियुक्ति की है। एनएसई ने पहली बार 2016 में लगभग 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे, लेकिन सेबी ने कामकाज के संचालन और को-लोकेशन मामले से जुड़ी चिंताओं के कारण मंजूरी रोक दी थी।

ईडी ने तमिलनाडु में चार जिलों में आठ ठिकानों पर की छापेमारी, पोंजी स्कीम (चिटफंड) घोटाले से जुड़ा मामला

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के चेन्नई जोनल कार्यालय ने पोंजी स्कीम (चिटफंड) घोटाले से जुड़े धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तमिलनाडु के चेन्नई, इरोड, कोयंबटूर और कृष्णगिरि जिलों में स्थित आठ व्यावसायिक और आवासीय परिसरों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई 'मैसर्स यूनिक एक्सपोर्ट्स' और अन्य के खिलाफ दर्ज पोंजी स्कीम मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17(1) के तहत की गई है। ईडी ने यह जांच तमिलनाडु और कर्नाटक पुलिस द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज कई प्राथमिकियों (एफआईआर) के आधार पर शुरू की थी।ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि एस नवीन कुमार ने अपने सहयोगियों जीवलता, के प्रभु, के मथन कुमार, मुथुसेल्वम, जे फ्रैंकलिन और अन्य के साथ मिलकर 'मैसर्स यूनिक एक्सपोर्ट्स'

के नाम पर एक पोंजी स्कीम चलाई थी। इस स्कीम के तहत प्याज, आलू और अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात व्यवसाय में निवेश के बहाने सैकड़ों निवेशकों से धोखाधड़ी की गई। आरोपितों ने निवेशकों को कम समय में 200 प्रतिशत से अधिक रिटर्न का झांसा देकर कई फर्जी स्कीमें पेश की थीं। इसके अलावा, निवेशकों को अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से निवेश कराने पर आकर्षक कमीशन का लालच भी दिया गया था। ईडी ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि आरोपितों ने निवेशकों से पैसा वसूलने और उसकी लेयरिंग (हेरफेर) करने के लिए कई मुखौटा (शेल) कंपनियां बनाई थीं। इनमें मैसर्स यूनिक एक्सपोर्ट्स, मैसर्स ईस्ट वैली एग्रो फार्म्स, मैसर्स यूनिक रबर इंडस्ट्रीज, मैसर्स यूनिक इंटरनेशनल ग्रुप, मैसर्स सारा एक्सपोर्ट्स, मैसर्स इंडो रशियन रेयर अर्थ मेटल्स और मैसर्स इंडो रशियन बिजनेस एसोसिएट्स शामिल हैं।एजेंसी ने बताया कि इन संस्थाओं के नाम पर बैंक खाते खोलकर निवेशकों से करीब 400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। इस अपराध की कमाई को अचल संपत्तियों, फिक्स्ड डिपॉजिट, विदेशी लेनदेन और सहयोगियों के खातों में ट्रांसफर कर ठिकाने लगाया गया। हुई इस छापेमारी के दौरान ईडी ने लैपटॉप, पेन ड्राइव और मोबाइल फोन जैसे डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। इसके साथ ही पोंजी स्कीम और अचल संपत्ति के निवेश से जुड़े कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान दो लक्जरी गाड़ियां भी जब्त की गई हैं। मामले की जांच जारी है।

हितेश रमेश चंद्र जोशी ने जीआईसी री के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का पद संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पुनर्बीमा कंपनी जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी री) ने हितेश रमेश चंद्र जोशी को अपना नया चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया है। वे 1 अक्टूबर, 2025 से ही अंतरिम तौर पर यह भूमिका निभा रहे थे।

कंपनी के मुताबिक हितेश रमेश चंद्र जोशी ने 16 जून को आधिकारिक तौर पर अपना कार्यभार संभाल लिया है। वित्त मंत्रालय ने 15 जून को एक पत्र के जरिये हितेश रमेश चंद्र जोशी को चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त करने को मंजूरी दी है। उनकी नियुक्ति सेवानिवृत्ति तिथि 30 सितंबर, 2028 तक अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी। यह पद नारायणन रामास्वामी का दो वर्षीय कार्यकाल पूरा होने के बाद रिक्त हुआ था। हितेश रमेश चंद्र जोशी ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि मैं जीआईसी री की टीम के साथ मिलकर कंपनी की बाजार में अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने, वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने तथा

हितधारकों के लिए मूल्य सृजन जारी रखने की दिशा में काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

बीमा और पुनर्बीमा क्षेत्र में तीन दशक से अधिक के अनुभव वाले हितेश रमेश चंद्र जोशी के पास इस क्षेत्र की व्यापक विशेषज्ञता और नेतृत्व का अनुभव है।

70 हजार से कम में लॉन्च हुआ नया इलेक्ट्रिक स्कूटर, बिना लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन के चला सकेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के बीच ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लोकप्रिय ब्रांड एंपियर ने अपना नया लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर रियो वीवाईबी लॉन्च कर दिया है। यह स्कूटर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है जो कम कीमत में एक किफायती, स्टाइलिश और रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना चाहते हैं। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में पंजीकरण की आवश्यकता नहीं पड़ती। कंपनी ने इस स्कूटर की शुरुआती कीमत 69,499 रुपये रखी है, जिससे यह बाजार में उपलब्ध किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटरों की सूची में

शामिल हो गया है। युवाओं और शहरों में छोटी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को आकर्षित करने के लिए इसमें कई आधुनिक सुविधाएं भी दी गई हैं। लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की जरूरत क्यों नहीं? एंपियर रियो वीवाईबी एक लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जिसकी अधिकतम गति 25 किलोमीटर प्रति घंटा है। भारत में निर्धारित नियमों के अनुसार 25 किलोमीटर प्रति घंटा तक की अधिकतम गति वाले इलेक्ट्रिक वाहनों को चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस और आरटीओ पंजीकरण अनिवार्य नहीं होता। यही वजह है कि यह स्कूटर विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों और दैनिक उपयोगकर्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बन सकता है।डिजाइन के मामले में नया रियो वीवाईबी पहले के मॉडल रियो 80 की तुलना में अधिक आधुनिक और आकर्षक दिखाई देता है। कंपनी ने इसे चार रंग विकल्पों में पेश किया है, जिनमें वॉर्म व्हाइट, पेस्टल पर्पल, डार्क ग्रे और एक्वा मेटैलिक शामिल हैं। स्कूटर के सामने वाले हिस्से में आकर्षक हेडलाइट के साथ एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट दी गई है। इसके साइड पैनलों पर एम्बिएंट लाइटिंग का उपयोग किया गया है, जो इस कीमत वर्ग में अपेक्षाकृत दुर्लभ सुविधा मानी जाती है। आगे 12 इंच का अलॉय व्हील और डिस्क ब्रेक दिया गया है, जबकि पीछे की तरफ हब मोटर के साथ 10 इंच का पहिया मिलता है। नए रियो वीवाईबी में 0.25 किलोवाट का इलेक्ट्रिक मोटर दिया गया है, जो लगभग 35 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसमें 1.44 किलोवाट-घंटा क्षमता वाली एलएफपी बैटरी पैक लगाया गया है।

केंद्र ने डॉ. सैबल चट्टोपाध्याय को राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग का अध्यक्ष किया नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने डॉ. सैबल चट्टोपाध्याय को राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। देश की सभी मुख्य सांख्यिकी गतिविधियों के लिए एक नोडल निकाय के रूप में कार्य करने वाले इस आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने मंजूरी दे दी है। इनके साथ ही प्रो. शुभब्रता दास, सत्येन्द्र बहादुर सिंह और डॉ. माधवन मुकुंद को आयोग के नए सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। डॉ. स चट्टोपाध्याय इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता के पूर्व निदेशक हैं। उन्होंने अमेरिका के स्टॉर्स स्थित कनेक्टिकट विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में पीएचडी और एमएस की उपाधि प्राप्त की है। प्रोफेसर शुभब्रता दास बैंगलोर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में प्रोफेसर हैं। उन्होंने चैपल हिल स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना से सांख्यिकी में पीएचडी और एमएस तथा कोलकाता स्थित भारतीय सांख्यिकी संस्थान से सांख्यिकी में एम.स्टैट और बी.स्टैट की उपाधि प्राप्त की है। सत्येंद्र बहादुर सिंह भारतीय सांख्यिकी सेवा के 1987 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं, जिनका भारत सरकार में तीन दशकों से अधिक की सेवा का करियर रहा है और उन्हें आधिकारिक सांख्यिकी, आर्थिक सांख्यिकी, श्रम और रोजगार सांख्यिकी, नीतिगत सहायता, प्रशिक्षण और प्रशासन में अनुभव है। डॉ. माधवन मुकुंद चेन्नई गणित संस्थान के निदेशक हैं। उन्होंने डेनमार्क के आरहस विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में पीएचडी और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में बी.टेक की उपाधि प्राप्त की है। राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) की स्थापना 2005 में देश की सभी प्रमुख सांख्यिकी गतिविधियों के लिए एक नोडल निकाय के रूप में की गई थी। इस आयोग में एक अंशकालिक अध्यक्ष, सांख्यिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता और अनुभव रखने वाले चार अंशकालिक सदस्य और नीति आयोग के सीईओ पदेन सदस्य के रूप में शामिल हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग का आईपीओ, 19 जून तक कर सकते हैं आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग सर्विस देने वाली कंपनी लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज का 88.51 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 19 जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद शाम तीन बजे तक इस आईपीओ को 34 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 21 रुपये से लेकर 23 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है। लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 800 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,56,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 11.22 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 27 करोड़ रुपये के 8.42 लाख नए शेयर और 7 करोड़ रुपये के 2.22 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 1.03 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 60.07 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया।

मारुति की फ्लेक्स-फ्यूल वैगनआर की डिलीवरी शुरू, अब आम ग्राहक भी खरीद सकेंगे यह खास कार

एजेंसी

नई दिल्ली ।देश की अग्रणी वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपनी बहुप्रतीक्षित फ्लेक्स-फ्यूल हैचबैक वैगनआर बायोफ्लैक्स की डिलीवरी शुरू कर दी है। शुरुआत में माना जा रहा था कि यह मॉडल केवल व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं और संस्थागत ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगा, लेकिन अब कंपनी ने इसे निजी ग्राहकों के लिए भी बाजार में उतार दिया है। 7.24 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत के साथ आई यह कार भारत में वैकल्पिक ईंधन तकनीक की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। दिल्ली से हुई पहली डिलीवरी

मारुति सुजुकी ने नई दिल्ली के करोल बाग स्थित अपने शोरूम से इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएसएमए) के सदस्यों को वैगनआर बायोफ्लैक्स की पहली इकाइयां सौंपीं। इसके साथ ही राजधानी दिल्ली के 13 निजी ग्राहकों को भी इस नई तकनीक वाली कार की चाबियां दी गईं। इससे स्पष्ट हो गया है कि कंपनी इस मॉडल को आम उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की तैयारी कर चुकी है।

क्या है वैगनआर बायोफ्लैक्स?

वैगनआर बायोफ्लैक्स को भारत की पहली बड़े पैमाने पर निर्मित फ्लेक्स-फ्यूल कारों में शामिल किया जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह ई20 से लेकर ई100 तक के एथेनॉल मिश्रण पर चल सकती है। इसका मतलब है कि वाहन चालक पेट्रोल और एथेनॉल के विभिन्न अनुपातों का उपयोग कर सकते हैं। सरकार द्वारा एथेनॉल आधारित ईंधन को बढ़ावा देने की नीति के बीच यह तकनीक भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। नई वैगनआर बायोफ्लैक्स में 1.2 लीटर का नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 91 हॉर्सपावर की शक्ति और 114 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करता है। इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स दिया गया है। हालांकि मूल इंजन स्टैंडर्ड वैगनआर जैसा ही है, लेकिन फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक के अनुरूप इसे कई तकनीकी बदलावों के साथ तैयार किया गया है।

एथेनॉल के लिए विशेष बदलाव

उच्च एथेनॉल मिश्रण को सहन करने के लिए कंपनी ने इसमें नए फ्यूल इंजेक्टर, उन्नत फ्यूल पंप, नई फ्यूल लाइन्स, पुनः कैलिब्रेटेड इंजन कंट्रोल यूनिट और एथेनॉल सेंसर जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया है। इन बदलावों की वजह से वाहन ई20 से ई100 तक के ईंधन मिश्रण पर सुरक्षित और प्रभावी ढंग से चल सकता है।

कंपनी ने अभी तक इस मॉडल का आधिकारिक एआरएआई माइलेज जारी नहीं किया है। हालांकि वाहन विशेषज्ञों का मानना है कि एथेनॉल की ऊर्जा घनत्व पेट्रोल की तुलना में कम होने के कारण अधिक एथेनॉल मिश्रण पर माइलेज में कुछ कमी देखने को मिल सकती है। इसके बावजूद कम उत्सर्जन और स्वदेशी ईंधन के उपयोग को देखते हुए यह तकनीक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही **है।**

कीमत और मुकाबला

वैगनआर बायोफ्लैक्स फिलहाल केवल एक फुली-लोडेड संस्करण में उपलब्ध है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 7.24 लाख रुपये रखी गई है। तुलना करें तो नियमित वैगनआर जेडएक्सआई प्लस मैनुअल पेट्रोल मॉडल की कीमत 6.38 लाख रुपये है। यानी फ्लेक्स-फ्यूल संस्करण के लिए ग्राहकों को लगभग 86,000 रुपये अतिरिक्त खर्च करने होंगे।

डिजाइन में हल्के बदलाव

नई वैगनआर बायोफ्लैक्स का बाहरी स्वरूप काफी हद तक स्टैंडर्ड मॉडल जैसा ही रखा गया है। हालांकि इसे अलग पहचान देने के लिए साइड प्रोफाइल पर 'फ्लेक्स फ्यूल' डीकल, पीछे 'बायोफ्लैक्स' बैजिंग और अंदर ब्लैक-बेज रंग संयोजन वाला केबिन दिया गया है।

फीचर्स से भरपूर

फीचर्स की बात करें तो इस कार में 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट, छह एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, मैनुअल एयर कंडीशनिंग, रियर एसी वेंट, सभी पावर विंडो, फॉग लैंप, रियर पार्किंग सेंसर, रियर वाइपर और वॉशर तथा ओआरवीएम पर टर्न इंडिकेटर जैसे कई आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं।

ट्रंप ने 2015 के ईरान परमाणु समझौते को लेकर ओबामा प्रशासन पर सवाल खड़े किए

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वर्ष 2015 में हुए ईरान परमाणु समझौते को लेकर एक बार फिर पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि उस समय किया गया समझौता अमेरिकी हितों के अनुकूल नहीं था और इसके तहत ईरान को बड़ी आर्थिक राहत प्रदान की गई थी। ट्रंप ने आरोप लगाया कि समझौते के परिणामस्वरूप ईरान को अरबों डॉलर की वित्तीय राहत मिली, जिससे उसे आर्थिक रूप से लाभ पहुंचा। उन्होंने विशेष रूप से उस वित्तीय व्यवस्था का उल्लेख किया, जिसके तहत ईरान को बड़ी राशि उपलब्ध कराई गई थी। ट्रंप का दावा है कि इस कदम ने क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और अमेरिकी रणनीतिक हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी दृष्टि में यह समझौता ईरान की गतिविधियों पर अपेक्षित स्तर का नियंत्रण स्थापित करने में सफल नहीं रहा। उन्होंने इसे ऐसी व्यवस्था बताया, जिससे ईरान को लाभ अधिक मिला, जबकि अमेरिका को अपेक्षित सुरक्षा और कूटनीतिक लाभ प्राप्त नहीं हुए। इससे पहले भी ट्रंप कई अवसरों पर इस समझौते की आलोचना कर चुके हैं। उनका मानना रहा है कि ईरान के साथ किसी भी समझौते में कठोर शर्तें और व्यापक निगरानी व्यवस्था शामिल होनी चाहिए, ताकि क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस पर लगी रोक एक महीने के लिए बढ़ाई

कराची। पाकिस्तान ने भारतीय पंजीकृत विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध को 24 जुलाई तक बढ़ा दिया है। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी (पीएए) ने मंगलवार को जारी नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के माध्यम से इसकी जानकारी दी। जारी सलाह के अनुसार, भारतीय नागरिक और सैन्य विमानों के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। नया प्रतिबंध 16 जून की शाम से प्रभावी होकर 24 जुलाई की सुबह तक लागू रहेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद अप्रैल 2025 में पाकिस्तान ने पहली बार भारतीय विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद किया था। इसके बाद कई बार इस प्रतिबंध की अवधि बढ़ाई जा चुकी है। हालांकि दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम लागू है, फिर भी आपसी संबंधों में तनाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। हवाई क्षेत्र बंद होने का सबसे अधिक असर भारतीय एयरलाइंस की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ा है। यूरोप, उत्तरी अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के लिए उड़ान भरने वाले विमानों को वैकल्पिक और लंबे मार्गों का उपयोग करना पड़ रहा है। इससे उड़ान समय बढ़ने के साथ-साथ ईंधन खपत और परिचालन लागत में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ऑस्ट्रेलिया ने इजराइली सेना पर यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू की

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) ने उन गंभीर आरोपों की जांच शुरू कर दी है जिनमें दावा किया गया है कि गाज़ा के लिए जा रहे राहत जहाज़ों के बेड़े (फ्लोटिला) पर कार्रवाई के दौरान इज़राइली सेना ने हिरासत में लिए गए कार्यकर्ता के साथ यौन उत्पीड़न, यातना और दुर्व्यवहार किया। रूस की सरकारी नियंत्रण वाली अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रुस टूडे (आरटी) के अनुसार, यह कदम तब उठाया गया जब 'ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' से जुड़ी चार महिला कार्यकर्ताओं ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग, मल्टीकल्चरल मामलों की मंत्री ऐनी एली और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। ये महिलाएं उन 11 ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों में शामिल थीं जिन्हें मई में हिरासत में लिया गया था। उस समय इज़राइली सेना ने गाज़ा की नाकेबंदी तोड़कर मानवीय सहायता पहुंचाने की कोशिश कर रहे फ्लोटिला को रोक दिया था। कार्यकर्ता जूलियट लैमोंट ने आरोप लगाया कि हिरासत में लिए गए लोगों का अपहरण किया गया, उन्हें यातनाएं दी गईं, जेल में रखा गया और कुछ मामलों में यौन उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने इन आरोपों को गंभीरता से लिया है। एएफपी ने एक बयान में कहा कि मामले की जांच पीड़ित-केंद्रित और ट्रॉमा-इन्फॉर्म्ड अप्रोच के तहत की जा रही है, ताकि शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा और मानसिक स्थिति को ध्यान में रखा जा सके।

रूस का दावा- ब्रिटिश यॉट को रोकने के लिए उसके युद्धपोत ने चलाई चेतावनी गोलियां

मास्को। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि इंग्लिश चैनल में एक ब्रिटिश यॉट (छोटी नाव) को रोकने के लिए उसके युद्धपोत ने चेतावनी स्वरूप गोलियां चलाईं। यह कार्रवाई तब की गई जब यॉट को रास्ता बदलने के लिए किए गए अन्य सभी प्रयास विफल हो गए। रूस के सरकारी समाचार टेलीविजन नेटवर्क रुस टुडे ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि मंगलवार दोपहर जब उनका युद्धपोत 'एडमिरल ग्रिगोरोविच' आइल ऑफ वाइट और नॉर्मंडी के बीच अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र से गुजर रहा था, इसी दौरान जहाज के चालक दल ने 'ब्राइट फ्यूचर' नामक एक ब्रिटिश यॉट को देखा, जो कथित तौर पर ऐसे मार्ग पर चल रही थी जिससे वह युद्धपोत के बेहद करीब आ सकती थी। मंत्रालय ने बताया कि रूसी क्रू ने पहले रेडियो के जरिए यॉट से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद सिग्नल फ्लेयर्स छोड़े गए और सायरन बजाया गया, फिर भी यॉट ने अपना रास्ता नहीं बदला। रूसी अधिकारियों के अनुसार जब यॉट युद्धपोत से लगभग 150 मीटर की दूरी पर पहुंच गई।

ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौते पर लगी मुहर, ट्रंप और पेजेश्कियन ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

एवियन । ईरान और अमेरिका के बीच महीनों से जारी संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच एक समझौता किया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने डिजिटल माध्यम से ईरान-अमेरिका समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फ्रांस में अपने समकक्ष इमैनुएल मैक्रों की मौजूदगी में इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस के उप प्रमुख स्टाफ डैन स्कैविनो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज शाम फ्रांस के वर्सेल्स में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा आयोजित डिनर से ठीक पहले, विदेश मंत्री मार्को रुबियो को ईरान समझौता ज्ञापन प्राप्त हुआ, जिसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पर हस्ताक्षर किए।' रिपब्लिकन सीनेटर एरिक शिमट ने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य और परमाणु क्षमताओं को कमजोर करते हुए और

कूटनीति के लिए रास्ता खोलते हुए वह हासिल किया है, जिसे कई लोग असंभव मानते थे। शिमट ने कहा कि ईरान ने पहली बार परमाणु हथियार विकसित नहीं करने का वादा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह समझौता भरोसे के बजाय सत्यापन के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। अमेरिकी मीडिया संस्थान न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के साथ ईरान की शुरुआती शांति व्यवस्था तेहरान के लिए लेबनान में हिज्बुल्लाह की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने का मार्ग खोल सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि समझौते के बाद ईरान को अनफ्रीज किए गए फंड और तेल सौदों से धन प्राप्त होना शुरू हो सकता है। अमेरिकी मीडिया न्यूयॉर्क पोस्ट ने न्यूज एजेंसी के सूत्रों के हवाले से बताया कि इस एमओयू के तहत, ईरान को युद्ध के बाद के निवेश, प्रतिबंधों से राहत और अनफ्रीज्ड फंड से सैकड़ों अरबों का फायदा होगा। ऐसे में ईरान रिकंस्ट्रक्शन फंड का इस्तेमाल लेबनान में अपने बुरी तरह से तबाह हो चुके टेरर प्रॉक्सी को सहारा देने के लिए करेगा। दो क्षेत्रीय राजनयिकों और दो वरिष्ठ लेबनानी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि तेहरान ने हिज्बुल्लाह को जल्द वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का वादा किया है, जिससे समूह को लेबनान में अपनी सैन्य और राजनीतिक गतिविधियों के पुनर्गठन में मदद मिल सकती है। हिज्बुल्लाह के संचार कार्यालय ने पुष्टि की है कि ईरान संगठन को सार्वजनिक रूप से समर्थन देता है। अमेरिकी वित्त विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष लगभग एक बिलियन डॉलर का ट्रांसफर भी इसमें शामिल था। कार्यालय ने कहा कि ईरान का समर्थन जारी रहेगा, चाहे फंड की वापसी से जुड़ी व्यवस्थाएं कुछ भी हों।

तीन महीने बाद तेहरान में फिर खुलेगा इटली का दूतावास, राजनयिक गतिविधियां होंगी बहाल

एजेंसी

रोम। इटली ने घोषणा की है कि उसका तेहरान स्थित दूतावास तीन महीने से अधिक समय तक बंद रहने के बाद शुक्रवार से फिर से कामकाज शुरू करेगा। इटली के विदेश मंत्री एंतोनियो तजानी ने संसद को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। विदेश मंत्री ने कहा कि तेहरान स्थित इटली का दूतावास अपने दरवाजे दोबारा खोलेगा और इसके साथ ही राजनयिक गतिविधियां भी पूरी तरह बहाल की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इटली के राजदूत सहित विदेश मंत्रालय के अधिकारी और राजनयिक दल जल्द ही ईरान की राजधानी लौटेंगे।

दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव और सुरक्षा चिंताओं के चलते इटली ने मार्च में एहतियातन अपना दूतावास अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। उस दौरान दूतावास के कर्मचारियों और अधिकारियों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर पड़ोसी देश अजरबैजान भेजा गया था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दूतावास के दोबारा संचालन से दोनों देशों के बीच कांसुलर सेवाओं, व्यापारिक संपर्कों और राजनयिक संवाद को गति मिलेगी। साथ ही ईरान में रह रहे इतालवी नागरिकों और वहां कार्यरत कंपनियों को भी इससे सुविधा प्राप्त होगी।

चीनी सरकार ने वैश्विक शासन पर श्वेत पत्र जारी किया

एजेंसी

बीजिंग । चीनी राज्य परिषद सूचना कार्यालय ने वैश्विक शासन पर एक श्वेत पत्र जारी किया। 'अधिक न्यायपूर्ण और समान वैश्विक शासनः चीन की अवधारणा, पहल और कार्य' शीर्षक वाले इस दस्तावेज का उद्देश्य वैश्विक शासन के संबंध में चीन के विचारों, पहलों और प्रयासों को दुनिया के सामने रखना, व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाना तथा वैश्विक चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से समाधान करने में योगदान देना है। साथ ही, अधिक न्यायपूर्ण एवं समान वैश्विक शासन प्रणाली का निर्माण करना है। श्वेत पत्र में कहा गया है कि वैश्विक शासन मानवता के साझा हितों और कल्याण से जुड़ा विषय है। एक न्यायपूर्ण और समान वैश्विक शासन प्रणाली का निर्माण दुनिया के सभी देशों और लोगों की साझा आकांक्षा है। इसमें कहा गया है कि चीन हमेशा से वैश्विक शासन में सक्रिय भागीदार, योगदानकर्ता और निर्माणकर्ता की भूमिका निभाता रहा है। दस्तावेज के अनुसार, नए युग की शुरुआत से राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 'मानव जाति के साझा भविष्य वाले समुदाय' की अवधारणा प्रस्तुत की है। साथ ही उन्होंने परामर्श, संयुक्त योगदान और साझा लाभ पर आधारित वैश्विक शासन दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है। चीन वास्तविक बहुपक्षवाद का समर्थन करते हुए समान और संतुलित बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था तथा समावेशी आर्थिक वैश्वीकरण की वकालत करता रहा है। श्वेत पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2025 में राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने वैश्विक शासन पहल प्रस्तुत की, जिसने इस प्रश्न का चीनी समाधान सामने रखा कि भविष्य में कैसी वैश्विक शासन प्रणाली बनाई जानी चाहिए और उसे बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठाए जाए। श्वेत पत्र में कहा गया है कि वैश्विक

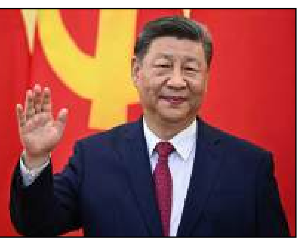

शासन पहल का प्रस्ताव रखे जाने के बाद, इसे लगभग 160 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का त्वरित समर्थन और प्रतिक्रिया मिली, जिनमें से 60 से अधिक देश सक्रिय रूप से 'वैश्विक शासन मित्र समूह' में शामिल हुए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय का मानना है कि वैश्विक शासन पहल बहुपक्षवाद को कायम रखने, एकता की शक्तियों को एकजुट करने और न्यायपूर्ण भविष्य की दिशा में एक स्पष्ट संदेश देती है। यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों में लोकतंत्रीकरण की प्रवृत्ति के अनुरूप है, बहुपक्षवाद के अभ्यास में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के दृढ़ विश्वास को बढ़ाती है, वैश्विक शासन में सुधार के लिए एक स्पष्ट और व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है, और अशांत दुनिया में बहुमूल्य स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

पोप लियो ने अमेरिका-ईरान समझौते का स्वागत किया, मध्य पूर्व में शांति की अपील

एजेंसी

वेटिकन सिटी । पोप लियो XIV ने अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष समाप्त करने के लिए हुए समझौते पर खुशी जताई। उन्होंने इसे संवाद और बातचीत के 'प्रोत्साहित करने वाले प्रयासों' का परिणाम बताया। साप्ताहिक जनरल ऑडियंस के दौरान पोप ने कहा, 'यह समझौता आपसी विश्वास, सुरक्षा और मध्य पूर्व में स्थिरता को मजबूत करने में मदद कर सकता है, बशर्ते देशों के बीच संवाद और सहयोग के रास्ते आगे बढ़ाए जाएं।' पोप ने इस वार्ता में शामिल सभी पक्षों के प्रति आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि यह पहल क्षेत्र में लंबे समय तक शांति स्थापित करने में सहायक होगी।

वेटिकन न्यूज के अनुसार पोप ने अपने संबोधन के दौरान यूक्रेन युद्ध की 'दुखद' स्थिति का भी उल्लेख किया और वहां शांति स्थापित करने के लिए संवाद के रास्ते तलाशने की अपील की। उन्होंने कहा कि वे उन लोगों के साथ खड़े हैं जो अपने प्रियजनों को खो चुके हैं, घायल हुए हैं और जो कठिन परिस्थितियों में भी मानव जीवन की सेवा कर रहे हैं। बता दें कि 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमले से इस संघर्ष की शुरुआत हुई थी। पहले

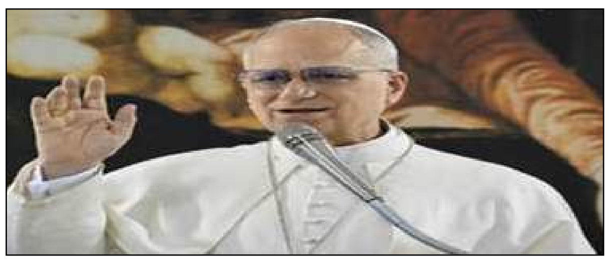

दिन ही सुप्रीम ईरानी लीडर अयातुल्लाह खामेनेई समेत कई बड़े अफसरों को निशाना बनाया गया। इसके बाद से हवाई हमलों का दौर जारी रहा। तेहरान ने खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिका के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाने पर लिया। इस दौरान कई बेगुनाहों की जान भी गई। 40 दिन बाद, अस्थायी संघर्ष विराम के बाद, 14 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीस डील की जानकारी दी, जिसकी दुनिया ने तारीफ की। आगामी शुक्रवार को दोनों देश शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। संघर्ष के दौरान भी पोप ने अमेरिका-इजरायल से इस पर विराम लगाने की सिफारिश की थी, जिस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सख्त एतराज जताया था साथ ही कहा था कि उनके इस बयान से ईरान को परमाणु हथियार बनाने की छूट मिल रही है।

इजरायल को हम अपने देश में मिलिट्री बेस बनाने की इजाजत नहीं देंगे : सोमालीलैंड

एजेंसी

तेल अवीव। सोमालीलैंड ने इजरायली सेना को अपने यहां बेस बनाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया है। इस पूर्वी अफ्रीकी देश के रक्षा मंत्री मोहम्मद यूसेफ अली ने स्पष्ट शब्दों में ऐसी किसी भी खबर को 'अफवाह' करार दिया। रॉयटर्स से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायली मिलिट्री या पुलिस को अपने यहां तैनात करवाने की उनके देश की कोई मंशा नहीं है। अली इजरायली राजधानी तेल अवीव में एक बिजनेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए थे। वहीं, जब इस मसले पर सोमालीलैंड में इजरायल के दूत माइकल लोटेम से सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब देने से साफतौर पर इनकार कर दिया।रणनीतिक रूप से 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' क्षेत्र में स्थित सोमालीलैंड 1991 से वास्तविक रूप में स्वायत्त है और वहां अपेक्षाकृत शांति और स्थिरता बनी हुई है। यह तब अलग हुआ था जब सोमालिया गृहयुद्ध में फंस गया था। इजरायल ने पिछले साल दिसंबर में

सोमालीलैंड को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी थी। यह ऐसा करने वाला पहला देश था। सोमालिया ने इसे अपनी संप्रभुता पर 'जानबूझकर किया गया हमला' करार दिया था। फरवरी में सोमालीलैंड के राष्ट्रपति अब्दीरहमान मोहम्मद अब्दुल्लाही ने रॉयटर्स को बताया था कि सोमालीलैंड इजरायल के साथ भविष्य में सैन्य सहयोग की उम्मीद रखता है, लेकिन इजरायली सैन्य बेस स्थापित करने पर कोई बातचीत नहीं हुई है। वहीं, रविवार को 'सोमाली गार्जियन' ने रिपोर्ट किया कि इजरायल ने सोमालीलैंड में एक खुफिया (इंटेलिजेंस) बेस स्थापित कर लिया है और वहां सैन्य बेस बनाने की संभावना पर भी चर्चा चल रही है। दिसंबर में इजरायल और सोमालीलैंड के बीच आधिकारिक राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे, जिसके बाद दोनों देशों ने तेजी से सहयोग बढ़ाना शुरू किया। सोमालीलैंड के राष्ट्रपति अब्दिरहमान मोहम्मद अब्दुल्लाही और उनकी पत्नी फर्दौसा मोहम्मद रोबले एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आगे की बातचीत के लिए हाल ही में इजरायल पहुंचे। इससे पहले, सोमालीलैंड ने अपना नया राजदूत इजरायल में नियुक्त किया और घोषणा की कि उसका दूतावास यरुशलम में होगा। हालांकि, इन संबंधों को लेकर विरोध भी हुआ है। कुछ इस्लामिक देशों ने इस साझेदारी की आलोचना की और कहा कि पूर्वी यरुशलम पर इजरायल का कब्जा है, इसलिए वहां दूतावास खोलना गलत है।

जी-7 में पीएम मोदी की जेलेंस्की से मुलाकात, शांति और सहयोग पर जोर

एजेंसी

एवियन (फ्रांस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि दोनों देशों के बीच हाल के समय में सहयोग और आपसी संपर्क में निरंतर वृद्धि हुई है, जो विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी के रूप में दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बैठक के दौरान भारत और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि व्यापारिक संबंधों को युद्ध-पूर्व स्तर तक बहाल किए जाने की आवश्यकता है, ताकि आर्थिक सहयोग को फिर से मजबूती मिल सके।

उन्होंने अपने संदेश में यह भी स्पष्ट किया कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में खड़ा रहेगा और मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखते हुए अपनी भूमिका निभाता रहेगा। बैठक को दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जी-7 सम्मेलन के दौरान हुई यह मुलाकात वैश्विक स्तर पर चल रहे संघर्षों के बीच संवाद और कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

विवादों में घिरे पोखरा एयरपोर्ट से जल्द शुरू होगी दैनिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

एजेंसी

काठमांडू । चीन की फंडिंग से बने पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को आखिरकार एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा मिलने जा रही है। दुबई स्थित एयरलाइन फ्लाईदुबई ने घोषणा की है कि वह 23 सितंबर से दुबई और पोखरा के बीच दैनिक सीधी उड़ानें शुरू करेगी। यह पहली बार होगा जब पोखरा हवाई अड्डे से किसी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन द्वारा नियमित दैनिक सेवाएं संचालित की जाएंगी। 1 जनवरी 2023 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया था, लेकिन अब तक इसे नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें नहीं मिल पाई थीं। इससे पहले हिमालय एयरलाइंस, जो नेपाल-चीन संयुक्त उद्यम का प्रतिफल है, ने मार्च 2025 में पोखरा-ल्हासा रूट पर

साप्ताहिक उड़ानें शुरू की थीं, लेकिन इसी वर्ष मार्च में यह सेवा बंद हो गई थी, जिससे एयरपोर्ट फिर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से खाली हो गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब इस परियोजना को लेकर भ्रष्टाचार के आरोप भी सामने आए हैं। नेपाल की भ्रष्टाचार निरोधक संस्था 'कमिशन फॉर इंवेस्टिगेशन ऑफ अब्युज ऑफ अथॉरिटी' (सीआईएए) ने इस हवाई अड्डे के निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर कई पूर्व मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना चीन के एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक से मिले 215.96 मिलियन डॉलर की फंडिंग से बनी थी और इसे चीन सीएएमसी इंजीनियरिंग कंपनी ने पूरा किया था। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के अनुसार, फ्लाईदुबई को शुरुआत में एक महीने के लिए प्रायोगिक आधार पर दैनिक उड़ानों की अनुमति दी गई है। इस दौरान सेवा की व्यावसायिक और तकनीकी व्यवहार्यता का आकलन किया जाएगा। सीएएएन ने उम्मीद जताई है कि यदि यह सेवा सफल रहती है तो अन्य अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस भी पोखरा के लिए उड़ानें शुरू कर सकती हैं। हालांकि, एयरपोर्ट को अब तक कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें रनवे की सीमाएं, परिचालन लागत और तकनीकी बाधाएं शामिल हैं। इन्हीं कारणों से इसे लेकर पहले भी 'व्हाइट एलिफेंट' यानी अनुपयोगी बड़ी परियोजना की आलोचना होती रही है।

कैलिफोर्निया में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने राज्य आयोग से लगाई गुहार

एजेंसी

वाशिंगटन । प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एडवोकेसी समूह हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने कैलिफोर्निया में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता जताई है। एचएएफ ने स्टेट ऑफ हेट कमीशन से राज्य में बढ़ते एंटी-हिंदू गतिविधियों पर ध्यान देने और इसे रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। एचएएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुद्दे को जोर शोर से उठाया। उन्होंने कहा, 'जब कैलिफोर्निया के नेता नफरत से निपटने पर चर्चा कर रहे हैं, तो यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि हिंदू अमेरिकी समुदाय को राज्यव्यापी एंटी-हेट प्रयासों में नजरअंदाज न किया जाए। हमें जेवियर बेकेरा और स्टिव हिल्टन से कहना चाहेंगे कि धार्मिक स्वतंत्रता का मतलब किसी एक समुदाय विशेष से नहीं होता बल्कि इसमें हिंदू भी शामिल होते हैं।' संगठन ने 9 जून को अपनी आधिकारिक टिप्पणी में कहा कि हाल के वर्षों में हिंदू समुदाय के खिलाफ भेदभाव, तोड़फोड़ और हिंसा की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है।

एचएएफ के अनुसार, 'राज्य के सिविल राइट्स विभाग के डेटा में भी यह सामने आया है कि धार्मिक रूप से प्रेरित नफरत की घटनाओं में एंटी-हिंदू मामले लगभग 23 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं।'

संगठन ने कहा, 'ये केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि धार्मिक स्थलों पर हमले, तोड़फोड़ और समुदायों को निशाना बनाने की वास्तविक घटनाएं हैं।'

एचएएफ ने यह भी आरोप लगाया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी हिंदू और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां और भड़काऊ अभियान तेजी से बढ़ रहे हैं।

संगठन के अनुसार, 'ऑनलाइन फैलाई जा रही गलत जानकारी और राजनीतिक बयानबाजी के कारण एंटी-इंडियन और एंटी-हिंदू नफरत को बढ़ावा मिल रहा है।' एचएएफ ने आयोग और सिविल राइट्स विभाग से इस स्थिति को गंभीरता से लेने, इसकी सार्वजनिक रूप से निंदा करने और हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। एचएएफ के प्रबंध निदेशक समीर कालरा ने कहा, 'हिंदू अमेरिकी समुदाय कैलिफोर्निया की सामाजिक संरचना का महत्वपूर्ण हिस्सा है, और धार्मिक स्वतंत्रता तथा बिना डर के पूजा करने का अधिकार हर नागरिक का मूल अधिकार है।

चीन दौरे में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बीजिंग को दिया पुराने संबंध बरकरार रखने का भरोसा

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल की चीन यात्रा में कोई ठोस या नया एजेंडा सामने नहीं आया, फिर भी इस दौरे के बाद दोनों पक्ष संतुष्ट दिखाई दिए हैं। नेपाल में नई सरकार बनने के बाद चीन के साथ उसके संबंध किस दिशा में आगे बढ़ेंगे, इसे लेकर जिज्ञासा बनी हुई थी। ऐसे समय में विदेश मंत्री खनाल ने चीन को नेपाल की पुरानी प्रतिबद्धताओं के प्रति आश्वस्त करने का प्रयास किया, जबकि चीन ने भी नेपाल के साथ सहयोग को यथावत बनाए रखते हुए नई सरकार के साथ मिलकर आगे बढ़ने का भरोसा दिलाया। इस बार बीजिंग ने विदेश मंत्री खनाल के माध्यम से नई नेपाली सरकार से मुख्य रूप से दो बातों पर आश्वस्त होने की कोशिश की। पहला- 'एक चीन नीति' के प्रति नेपाल का पारंपरिक समर्थन, दूसरा- बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के कार्यान्वयन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने की गारंटी। इन दोनों मुद्दों पर मंत्री खनाल ने चीन को भरोसा दिलाने का प्रयास किया बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ हुई वार्ता में खनाल ने खुलकर 'एक चीन नीति' का समर्थन किया। उन्होंने दोहराया कि तिब्बत और ताइवान जैसे चीन के आंतरिक मामलों में नेपाल हमेशा चीन के साथ खड़ा रहेगा और नेपाली भूमि का उपयोग किसी भी चीन-विरोधी गतिविधि के लिए नहीं होने दिया जाएगा।

जी7 समिट : पीएम मोदी ने ईयू नेताओं के साथ एफटीए और पश्चिम एशिया के हालातों पर की चर्चा

एजेंसी

एवियन (फ्रांस)। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के एवियन में जी7 समिट के दौरान यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'जनवरी 2026 में भारत में हुए 16वें भारत-यूरोपीय संघ समिट को याद करते हुए, नेताओं ने तब से भारत-यूरोपीय संघ के आपसी संबंधों में हुई शानदार तरक्की का स्वागत किया।' विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, 'नेताओं ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते के लिए हाल ही में हुई बातचीत को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और इस पर जल्द साइन करने और इसे लागू करने पर जोर दिया, जिससे व्यापार और निवेश के लिए बड़े मौके मिलेंगे और सप्लाई चेन को अलग-अलग तरह से बनाने में मदद मिलेगी, खासकर मौजूदा तनावपूर्ण भू-राजनीतिक माहौल में।'

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र, खुली बाजार अर्थव्यवस्था और बहुलवादी समाज होने के नाते भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के संबंध आपसी विश्वास, साझा मूल्यों और भविष्य के प्रति एक समान दृष्टिकोण पर टिके हैं।' विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि नेताओं ने जनवरी 2026 में मंजूर संयुक्त भारत-ईयू व्यापक रणनीतिक एजेंडा पर हुए विकास को लेकर चर्चा की और यह भी उम्मीद जताई की कि यह भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा और दोनों के लिए फायदेमंद और बदलाव लाने वाले नतीजे देगा। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करते हुए, नेताओं ने पश्चिम एशिया में हो रहे विकास का

स्वागत किया। पीएम मोदी और दोनों ईयू नेताओं ने एक मजबूत बहुपक्षीय ग्लोबल सिस्टम बनाने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई, जो शांति और स्थिरता, समृद्धि और सस्टेनेबल विकास में योगदान दे।' पीएम मोदी कोस्टा और लेयेन के साथ अपनी मीटिंग को शानदार बताते हुए कहा कि उन्होंने आर्थिक जुड़ाव को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत और ईयू के बीच बढ़ता सहयोग मौजूदा ग्लोबल माहौल में शांति, स्थिरता और खुशहाली को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकता है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया 'आज एवियन में यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से मिलना बहुत अच्छा रहा। इस साल की शुरुआत में, भारत को अपने गणतंत्र दिवस समारोह के मौके पर चीफ गेस्ट के तौर पर उनका स्वागत करने पर गर्व हुआ था। यह भारत-ईयू संबंधों के लिए बहुत अच्छा समय रहा है क्योंकि हमने एफटीए पूरा कर लिया है। हमारी बातचीत के दौरान, हमने आने वाले समय में आर्थिक जुड़ाव को और गहरा करने पर चर्चा की। हमारा बढ़ता सहयोग आज के ग्लोबल माहौल में शांति, स्थिरता और खुशहाली को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकता है।' कोस्टा ने कहा कि भारत और ईयू साल के आखिर तक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि दोनों पक्ष भारत मिडिल ईस्ट यूरोप कॉरिडोर (आईएमईसी) को आगे बढ़ाकर बेहतर कनेक्टिविटी के लिए मिलकर काम करेंगे।

page 1 and 8 June 19_page 1 Mar 25 final ds.qxd 6/19/2026 12:43 AM Page 2

सीएसआईआर-आईआईआईएम में युवा कौशल कार्यशाला 5.0 का शुभारंभ

जम्मू, 18 जून। कक्षा आधारित शिक्षा और वास्तविक वैज्ञानिक अनुसंधान के बीच की दूरी को कम करने के उद्देश्य से, सीएसआईआर-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (IIIM), जम्मू ने अपने टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर और बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से रसायन विज्ञान में 10 दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम युवा कौशल कार्यशाला 5.0 का आज यहां शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम में गवर्नमेंट कॉलेज फॉर विमेन , गांधी नगर, जम्मू सहित विभिन्न संस्थानों के 42 छात्रों ने भाग लिया है, जिन्हें उन्नत प्रयोगशाला तकनीकों, अनुसंधान पद्धतियों और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान एक प्रशिक्षण मैनुअल भी औपचारिक रूप से जारी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएसआईआर-IIIM जम्मू के निदेशक डॉ. ज़ाबीर अहमद ने आज के तेजी से बदलते समय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और व्यावहारिक अनुभव के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विज्ञान अब केवल पाठ्यपुस्तकों या अकादमिक वर्गीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन का एक तरीका बन चुका है जो हर क्षेत्र को प्रभावित करता है। उन्होंने

छात्रों को उनके भविष्य के करियर की परवाह किए बिना वैज्ञानिक सोच और अनुसंधान दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. अहमद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में वैज्ञानिक और बौद्धिक क्षमता की अपार संभावनाएं हैं और आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालयों तथा राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं जैसी संस्थाएं युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि युवा कौशल कार्यशाला जैसी पहलें युवाओं को प्रारंभिक स्तर पर ही वैज्ञानिक नवाचार से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई हैं।

आईआईआईएम में चल रहे शोध का उदाहरण देते हुए उन्होंने औषधीय रसायन और दवा खोज के क्षेत्र में हो रहे कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि संस्थान के वैज्ञानिकों ने एक प्राकृतिक स्रोत से प्राप्त अणु में संशोधन किया, जिसमें प्रारंभ में कैंसर-रोधी गुण तो थे लेकिन विषाक्तता की समस्या थी। रासायनिक अनुसंधान और संरचनात्मक बदलावों के माध्यम से वैज्ञानिकों ने उसकी सुरक्षा प्रोफ़ाइल में सुधार किया, जबकि उसकी चिकित्सीय क्षमता को बनाए रखा गया।

उन्होंने बताया कि यह उम्मीदवार अणु प्री-क्लिनिकल मूल्यांकन के चरण से आगे बढ़ चुका है और इसे क्लिनिकल चरणों में ले जाने के लिए नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है, जो देश में स्वदेशी दवा विकास में संस्थान के बढ़ते योगदान को दर्शाता है।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए IIIM-TBI के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं मुख्य अन्वेषक डॉ. सौरभ सरन ने कहा कि यह कार्यशाला छात्रों को पारंपरिक सैद्धांतिक शिक्षा से आगे व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रयोगशाला प्रशिक्षण के साथ-साथ उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप से संबंधित सत्र भी शामिल हैं, जिससे छात्र न केवल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को समझेंगे बल्कि अपने विचारों को व्यावसायिक उद्यम में बदलने की प्रक्रिया भी सीख सकेंगे।

डॉ. सरन ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान उभरने वाले संभावित विचारों को IIIM-TBI और बायोनेस्ट सुविधाओं के माध्यम से इनक्यूबेशन समर्थन भी दिया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं और अनुसंधान सुविधाओं का लाभ उठाने तथा वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों से संवाद करने के लिए प्रेरित किया। तकनीकी सत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए NPMC डिवीजन के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शोएब राशिद ने कहा कि यह कार्यशाला विशेषज्ञ व्याख्यानों और व्यापक प्रयोगशाला आधारित प्रशिक्षण का अनूठा संयोजन है। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को प्राकृतिक उत्पाद रसायन, सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, विश्लेषणात्मक विज्ञान, प्रयोगशाला सुरक्षा, आधुनिक औषधि खोज दृष्टिकोण, पृथक्करण एवं अभिलक्षण तकनीक, औषधीय रसायन तथा कंप्यूटर आधारित दवा डिजाइन जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जम्मू मंडल की सफल ऐतिहासिक पहल -इस वर्ष जम्मू तवी से 250 टन चेरी व पठानकोट कैंट से 10 टन लीची की लोडिंग

जम्मू, 18 जून। जम्मू-कश्मीर के बागवानों के लिए बड़ी उपलब्धि। उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल ने इस वर्ष 2026 में फल लोडिंग में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जम्मू मंडल के प्रयासों से स्थानीय बागवानों की चेरी और लीची अब देश के बड़े बाजारों तक तेज़ी और सुरक्षित रूप से पहुंच रही है।

इस वर्ष जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से लगभग 250 टन चेरी की लोडिंग मुंबई, वडोदरा और सूरत जैसे प्रमुख महानगरों के लिए की गई। वहीं पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन से लगभग 10 टन लीची को मुंबई, अहमदाबाद और सूरत भेजा गया। यह जम्मू मंडल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जम्मू मंडल की इस पहल से बागवानों और क्षेत्र को भरपूर लाभ मिल रहे हैं। संक्षिप्त में अगर इस फायदों पर बात करें तो, बिचौलियों की भूमिका कम होने से उत्पादकों को सीधे उचित मूल्य मिल रहा है। रेल मालभाड़ा सड़क परिवहन की तुलना में किफायती है, जिससे कृषकों की लागत घटी है और मुनाफा बढ़ा है।

रेल की रफ्तार से खराब होने वाले फल कम समय में बाजार पहुंच रहे हैं, जिससे नुकसान न्यूनतम हुआ है। नाशवान उत्पादों की डिलीवरी अब घंटों में, न कि दिनों में हो रही है।

अब जम्मू-कश्मीर की चेरी और लीची की मांग मुंबई, गुजरात तक बढ़ी है, जिससे बागवानों की आय में बढ़ोतरी हुई है। इस उपलब्धि पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल ने कहा,

जम्मू मंडल बागवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। हमने चेरी और लीची जैसे नाशवान उत्पादों के लिए स्पेशल पार्सल वैगन और त्वरित लोडिंग-अनलोडिंग की व्यवस्था की है। हमारा लक्ष्य है कि जम्मू-कश्मीर का हर फल कम समय में, कम लागत पर देश के कोने-कोने तक पहुंचे। यह पहल न सिर्फ उत्पादकों की आमदनी बढ़ाएगी, बल्कि 'वोकल फॉर लोकल' को भी मजबूती देगी। रेलवे की फ्रेट सेवा कृषकों के लिए सबसे किफायती और समयबद्ध विकल्प है। सड़क की तुलना में रेल से ढुलाई में 30-40त्न तक लागत कम आती है और नाशवान फलों की ताजगी बरकरार रहती है। यही कारण है कि जम्मू की चेरी अब वडोदरा-सूरत तक उतनी ही ताज़ा पहुंच रही है जितनी जम्मू में।

राइज़ इन जम्मू एंड कश्मीर 2026 में हज़ारों स्टूडेंट्स ने इनोवेशन और मौकों को एक्सप्लोर किया

श्रीनगर, 18 जून। राइज़ इन जम्मू एंड कश्मीर 2026 – बिल्डिंग द पाथ टूवर्ड्स विक्सित भारत श्च 2047 के दूसरे दिन शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर श्रीनगर में स्टूडेंट्स, रिसर्चर्स, यंग प्रोफेशनल्स और आम लोगों से ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिला।

यह इवेंट, माननीय राज्यसभा MP श्री गुलाम अली खटाना के गाइडेंस में तारमेह इवेंट्स द्वारा ऑर्गनाइज़ किया जा रहा था, जिसमें बड़ी संख्या में विज़िटर्स आए जो साइंस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर, इंफ्रास्ट्रक्चर, सस्टेनेबिलिटी, पब्लिक सर्विसेज़ और इनोवेशन में भारत की तरक्की को एक्सप्लोर करने के लिए उत्सुक थे।

इस दिन की एक बड़ी खास बात जम्मू एंड कश्मीर के अलग-अलग स्कूलों, कॉलेजों, यूनिवर्सिटीज़ और टेक्निकल इंस्टीट्यूशन्स के स्टूडेंट्स का जोश से भरा पार्टिसिपेशन था। हज़ारों स्टूडेंट्स ने एग्ज़ीबिशन देखी और बड़े सरकारी ऑर्गनाइज़ेशन्स, पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स, साइंटिफिक इंस्टीट्यूशन्स और डेवलपमेंट एजेंसियों के रिप्रेज़ेंटेटिव्स से बातचीत की। स्टूडेंट्स ने हिस्सा लेने वाले ऑर्गनाइज़ेशन द्वारा दिखाए जा रहे लेटेस्ट टेक्नोलॉजिकल डेवलपमेंट, रिसर्च इनिशिएटिव, करियर के मौके, सरकारी स्कीम और इनोवेशन से चलने वाले प्रोजेक्ट को समझने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। इंटरैक्टिव एग्ज़ीबिट, लाइव डेमोंस्ट्रेशन और जानकारी देने वाले डिस्प्ले ने उन्हें उभरते सेक्टर और भविष्य के करियर की संभावनाओं के बारे में कीमती जानकारी दी।

ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को वितरित किए नेक फैन व पावर बैंक

जम्मू, 18 जून (हि.स.)। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की सेवाओं और समर्पण के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए एफआईसीसीआई फ्लो जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख (जेकेएल) ने लक्ष्यम के सहयोग से पुलिस मुख्यालय जम्मू में 100 पोर्टेबल नेक फैन और 60 से अधिक पावर बैंक वितरित किए। यह पहल उन ट्रैफिक कर्मियों के लिए की गई जो भीषण गर्मी और कठिन परिस्थितियों में लंबे समय तक सड़क पर ड्यूटी देकर यातायात व्यवस्था और जनसुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। कार्यक्रम में डीआईजी ट्रैफिक जम्मू-कश्मीर निशा नाथ्याल और एसएसपी ट्रैफिक जम्मू अमित भसीन उपस्थित रहे जिन्होंने इस प्रयास की सराहना की।इस अवसर पर एफआईसीसीआई फ्लो जेकेएल की चेयरपर्सन वर्षा बंसल ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस कर्मी प्रतिदिन कठिन परिस्थितियों में जनता की सेवा करते हैं और यह पहल उनके प्रति आभार व्यक्त करने का एक छोटा प्रयास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नेक फैन और पावर बैंक उनकी ड्यूटी के दौरान कुछ राहत प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में वरुणा आनंद और सोना मेहता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि यह पहल समाज में सेवा, संवेदनशीलता और फ्रंटलाइन कर्मियों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रंगयुग के समर इंटर्नशिप प्रोग्राम का समापन, 100 छात्राओं को मिले प्रमाणपत्र

जम्मू, 18 जून (हि.स.)। रंगयुग परफॉर्मिंग आर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित समर इंटर्नशिप प्रोग्राम (एसआईपी)-2026 के तीसरे संस्करण का सफलतापूर्वक समापन हो गया। 60 घंटे के इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में जीसीडब्ल्यू परेड ग्राउंड और पद्मश्री पद्मा सचदेव राजकीय महिला महाविद्यालय गांधी नगर की लगभग 100 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान थिएटर, संगीत, नृत्य, योग, रचनात्मक लेखन, एंकरिंग, व्यक्तित्व विकास तथा स्टूडियो आधारित शिक्षण सहित विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया।

समापन समारोह में छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम के दौरान हासिल किए गए आत्मविश्वास, रचनात्मकता और कलात्मक विकास का प्रदर्शन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जीसीडब्ल्यू परेड ग्राउंड के प्राचार्य डॉ. नवीन आनंद उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने छात्राओं के व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है और उन्हें अपनी छिपी प्रतिभाओं को पहचानने का अवसर दिया है। रंगयुग के निदेशक दीपक कुमार ने कहा कि संस्था पिछले चार दशकों से कला के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रही है।